www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
23 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 59 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर का इस्तीफा

● कहा-पार्टी को नहीं लगता मैं अगला चुनाव जिता सकता हूं

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था।

हाल के महीनों में कई सांसदों और मंत्रियों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन और गिरती लोकप्रियता ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ा दिया था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन है। 17 जुलाई तक ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिलेगा स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे। स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्सको अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी। इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटेन में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। लोग अपने-अपने क्षेत्र से सांसद चुनते हैं। जिस पार्टी के पास संसद में बहुमत होता है, उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है। अभी लेबर पार्टी की सरकार है।

राजस्थान बॉर्डर पर मस्जिद-मदरसों पर चला बुलडोजर

● वक्फ बोर्ड ने संपत्तियों को बचाने के लिए चली नई चाल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में बुलडोजर एक्शन और धार्मिक स्थलों को मिल रहे नोटिसों के बीच एक नया और बेहद दिलचस्प राजनीतिक व कानूनी एंगल सामने आया है। जयपुर में हाल ही में भारी विरोध के बावजूद 'नूरानी मस्जिद' को अवैध निर्माण बताकर जमींदोज किए जाने की घटना ने अल्पसंख्यक समुदाय और वक्फ बोर्ड को अलर्ट मोड पर ला दिया है। जयपुर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे जिलों में हुई इस तरह की डेमोलिशन की कार्रवाइयों के बाद, राजस्थान वक्फ बोर्ड ने अब एक नया और हाईटेक डिफेंस मैकेनिज्म तैयार किया है। वक्फ बोर्ड के चेयरमैन खानू खान बुधवाली ने प्रदेश भर की मस्जिद कमेटियों को सरकार और प्रशासन के कानूनी दांव-पेचों से निपटने के लिए एक

अनोखी गाइडलाइन जारी की है। अब राजस्थान की मस्जिदों और मदरसों की सुरक्षा सिर्फ दुआओं के भरोसे नहीं होगी, बल्कि वहां सीसीटीवी कैमरों का कड़ा पहरा होगा और वकीलों की एक पूरी फौज तैनात रहेगी।

नूरानी मस्जिद जैसा ऐक्शन रोकने की शुरू की है तैयारी

वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ने रणनीति तैयार की है। बुधवाली ने सभी मस्जिद प्रबंधन कमेटियों को आदेश दिया है कि वे मस्जिदों के बाहर तुरंत सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करें। इसके पीछे का तर्क भी काफी दिलचस्प है। सीमावर्ती इलाकों में हुई कार्रवाइयों का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन कई बार बैकडेट में नोटिस जारी कर देता है या फिर ऐसी टाइमिंग पर कार्रवाई करता है जब पीड़ित पक्ष को कोर्ट से कानूनी राहत लेने का वक्त ही न मिले।

भारत में घुसपैठ कराने की बांग्लादेश की नापाक चाल

लाठी लेकर पहुंचे सैकड़ों बांग्लादेशी, सीमा पर भारी तनाव

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश-भारत सीमा पर तनाव बढ़ गया है। शनिवार को बांग्लादेश की तरफ से भारत में घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये अवैध घुसपैठिए थे जिन्हें भारतीय सुरक्षा बलों ने बांग्लादेश में भेज दिया था। बांग्लादेश ने इन लोगों को अपने इलाके में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बाद में बांग्लादेश के सीमा रक्षा बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' ने इन लोगों पर भारत में वापस जाने के लिए दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 20 लोगों ने भारत में घुसने की कोशिश की, जिसे बीएसएफ ने वापस खदेड़ दिया। इसके बाद यह समूह फिर बांग्लादेश की तरफ जमा हुआ। इस बार उनके पीछे लगभग 1000 लोग थे, जिन्होंने अपने हाथों में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे थे। इससे सीमा पर तनाव की स्थिति बन गई। हालांकि, यह समूह कुछ समय के बाद वापस लौट गया। हाल के दिनों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने भारत से भेजे गए अवैध बांग्लादेशियों को वापस भारतीय सीमा में धकेलने की कोशिश की है, जिसके चलते बीएसएफ और बीजीबी के बीच टकराव बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को बांग्लादेश की तरफ बॉर्डर के पास लाठियों से लैस सैकड़ों लोग जमा हो गए।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की वापसी का विरोध

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अवैध बांग्लादेशियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की कोशिश में तेजी आई है। बांग्लादेश की सरकार ने इन कोशिशों पर आपत्ति जताई है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने इनका विरोध किया है। बांग्लादेश ने कहा है कि किसी भी तरह की वापसी तय प्रक्रियाओं के अनुसार ही होनी चाहिए। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने हाल ही में संसद को बताया कि 5 अगस्त 2024 से अब तक 2369 लोगों को भारत से बांग्लादेश में भेजा जा चुका है। इस दौरान बीएसएफ ने 183 लोगों को वापस भेजा है। ह्यूमन राइट वॉच की 16 जून को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 1 जून से 2026 से बीजीबी ने भारतीय सुरक्षा बलों की 21 कोशिशों को नाकाम किया है, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों को बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में धकेलने की कोशिश की गई थी।

महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी तेज

● 2029 से पहले लोकसभा-विधानसभा सीटें बढ़ाने का है प्लान

फिर ऐक्टिव हुई मोदी सरकार, एससी-एसटी कोटे को भी फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के मकसद से एक नए संविधान संशोधन को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। इस प्रस्ताव पर सरकार के उच्च स्तरों पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। प्रस्तावित कानून, जिसे संविधान (133वां संशोधन) बिल के तौर पर पेश किया जा सकता है, मोटे तौर पर विफल रहे संविधान (131वां संशोधन) बिल पर ही आधारित होगा। लेकिन यह परिसीमन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा, क्योंकि इसमें यह सुझाव दिए जाने की संभावना है कि 1971 की जनगणना पर आधारित मौजूदा अंतर-राज्यीय सीट अनुपात में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, राज्यों के भीतर चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आधार पर फिर से तय की जा सकती हैं।

● **ड्राफ्ट लगभग तैयार, बदलाव भी संभव-** सूत्रों के मुताबिक, ड्राफ्ट काफी हद तक तैयार है और इसमें आर्टिकल 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334ए में बदलाव की मांग की जा सकती है। प्रस्तावित कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में जहां तक संभव और व्यावहारिक हो, एक समान 50 फीसदी बढ़ोतरी का जिक्र भी हो सकता है।

राज्यों के साथ लेते हुए किया जा रहा काम

सूत्रों का कहना है कि नए ढांचे का मकसद 2029 में इसे लागू करने की समय-सीमा को बनाए रखना है, साथ ही राज्यों की इस चिंता को भी दूर करना है कि प्रतिनिधित्व में उनका हिस्सा बदल सकता है। पता चला है कि इस ड्राफ्ट की रूपरेखा पर कई बैठकें हुई हैं, जिनमें हाल में हुई बैठक भी शामिल है। हालांकि, सरकार तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक उसे इसे पास कराने के लिए जरूरी संख्या का भरोसा न हो जाए। पहले वाले प्रस्ताव की तरह ही, इस बिल को भी दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्यों की मंजूरी की जरूरत होगी। एक सूत्र ने कहा कि सब कुछ संख्या पर निर्भर करता है जिससे संकेत मिलता है कि सरकार जरूरी समर्थन मिलने का भरोसा होने के बाद ही यह कानून लाएगी।

एससी-एसटी कोटे का भी प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है

सीटों की संख्या बढ़ने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ सकता है। मौजूदा सोच के अनुसार, लोकसभा में एससी सीटों की संख्या 84 से बढ़कर 136 और एसटी सीटों की संख्या 47 से बढ़कर 70 हो सकती है। आरक्षण को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है। घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना एम्स रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लखनऊ की कोचिंग में आग, 15 स्टूडेंट की मौत

10 के फंसे होने की आशंका, आग से बचने के लिए बाथरूम में छिपे थे बच्चे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर हैं। एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म आग बुझाने में लगी है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ भी पहुंची है। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा है, जिसके जरिए शवों को बाहर निकाला जा रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, अभी भी करीब 10 लोग अंदर फंसे हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे हैं। करीब 14 एम्बुलेंस मंगवाई गई हैं।

सीएम योगी दिए राहत और बचाव कार्य के निर्देश- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने व घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए हैं।

पश्चिमी घाट में बड़ा बदलाव करेगी मोदी सरकार

56825 किलोमीटर क्षेत्र को मिलेगी ईएसए सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार 12 साल बाद पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों को पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने

की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों को विशेष पर्यावरणीय सुरक्षा मिलेगी। इसका मतलब है कि ऐसे इलाकों में खनन, बड़ी फैक्ट्रियां, थर्मल पावर प्लांट और कई तरह की औद्योगिक गतिविधियों पर रोक या कड़ी पाबंदी लग जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर सभी राज्य सहमत नहीं हैं। इसी वजह से केंद्र ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सरकार उन राज्यों में ईएसए लागू करने की तैयारी कर रही है जहां इस पर सहमति बन चुकी है या बनने के करीब है। पश्चिमी घाट को भारत की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाओं में से एक माना जाता है।

● **नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं रुकेंगी-** अगर किसी क्षेत्र को ईएसए घोषित कर दिया जाता है तो वहां नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं, रेत खनन, सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले रेड-कैटेगरी उद्योग और 20,000 वर्गमीटर या उससे बड़े निर्माण प्रोजेक्ट पर रोक लग जाती है। 2024 में जारी ताजा ड्राफ्ट के मुताबिक केंद्र सरकार 56,825.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित करना चाहती है। यह क्षेत्र छह राज्यों में फैला हुआ है।

बंगाल में आधी हुई मदरसों को मिलने वाली रकम

● महिलाओं को नौकरी में 33 फीसदी आरक्षण का दावा

सरकारी कर्मचारियों को 38 फीसदी डीए देने का ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को भाजपा सरकार का पहला बजट पेश किया। बजट में कहा गया कि सरकार 1 लाख से ज्यादा सरकारी पदों को भरेगी और इसमें महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि 4 लाख 30 हजार करोड़ के बजट में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के समय शुरू हुई सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं (जैसे- अन्नपूर्णा योजना और महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा) को जारी रखा जाएगा। सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, कोलकाता में एक नए एयरपोर्ट बनने की भी घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को पिछली सरकार से 8.15 लाख करोड़ रुपए का कर्ज का बोझ मिला है।

भाजपा सरकार ने सीएए और जनगणना से जुड़े फैसले लिए

बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आए थे। भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीत कर पहली बार राज्य में सरकार बना ली थी। 9 जनवरी को शुभेंदु अधिकारी ने सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद बीएसएफ को फेंसिंग के लिए जमीन, जनगणना और धर्म आधारित कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कई फैसले लिए।

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया है। 19 मई को जारी आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान जन गण मन और कवि गुलाम मुस्तफा की अनंत असीम प्रेममय तुमी (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी।

15 दिन बाद अब आगे बढ़ा मानसून, छत्तीसगढ़ में एंट्री

राजस्थान में ओले गिरे, एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट, तमिलनाडु में बवंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा। तमिलनाडु के थूथूकोडी में रविवार को बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन आईएमडी ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। रविवार को मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है।

गर्मी से जूझ रहे 8 राज्य, विदर्भ में रात में भी लू चल रही

उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में तापमान 40-42 डिग्री के बीच है। तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में भी तापमान इसी रेंज में है। विदर्भ के 8 जिलों में लगातार गर्मी के कारण रातें भी गर्म हो रही हैं। यहां रात में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, उत्तर प्रदेश का बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 42.6 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कानपुर, वाराणसी, बहराइच और प्रयागराज में भी पारा 42 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। राजस्थान के श्रीगंगानगर और हरियाणा के रोहतक में भी पारा 42 डिग्री से ऊपर रहा।

एक नजर

पुलिस के व्यवहार की जांच डीआईजी करेंगे

देहरादून।कर्णप्रयाग में निहंगों और स्थानीय लोगों के बीच हुए विवाद से संबंधित दोनों प्राथमिकी की विवेचना हरिद्वार ट्रांसफर कर दी गई है। इसके अलावा सिख श्रद्धालुओं से मारपीट और उन्हें बिना दस्तार कोर्ट में पेश करने के आरोपों की जांच डीआईजी यशवंत सिंह को सौंपी गई है। पुलिस मुख्यालय ने उनसे दो सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। गत 16 जून को कर्णप्रयाग में सिख श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसमें आरोप था कि एक निहंग सिख ने दूसरे पक्ष के व्यक्ति पर तलवार से वार कर दिया। ऐसे में कर्णप्रयाग कोतवाली में सिख श्रद्धालुओं के खिलाफ जान से मारने की नियत से हमला करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर चार को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सिख समुदाय ने आरोप लगाए कि सिखों ने यह वार अपनी रक्षा में किया था।

प्रतापनगर जा रहे भीम आर्मी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने नरेंद्रनगर में रोका

देहरादून।प्रतापनगर ब्लॉक में देवल गांव निवासी युवक की हत्या से आक्रोशित भीम आर्म के लोग प्रतापनगर कूच कर रहे थे, लेकिन प्रतापनगर में चल रहे विरोध को देखते हुए पुलिस ने कार्यकर्ताओं को नरेंद्रनगर बाईपास पर रोक दिया। इससे नाराज होकर वह वहीं धरने पर बैठ गए। पुलिस–प्रशासन और भीम आर्मी के बीच देर शाम तक वार्ता का दौर चलता रहा। प्रतापनगर के देवल गांव निवासी युवक केतन लाल की हत्या होने पर भीम आर्मी कार्यकर्ता पीड़ित परिवार से मिलने देवल जा रहे थे। लेकिन नरेंद्रनगर में बैरिकेटिंग के साथ भारी पुलिस फोर्स और आईटीबीपी तैनात कर उन्हें आगे जाने से रोक दिया। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नोटियाल ने कहा कि उनकी एक सूत्रीय मांग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना है। तीन सप्ताह बाद भी दोषियों को सजा नहीं मिल पाई है। हम पीड़ित परिवार से मिलकर आगे की रणनीति तैयार करने देवल गांव जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने जबरन रोक दिया। जब तक हम पीड़ित परिवार से नहीं मिल जाते हैं, धरने पर बैठे रहेंगे।

दिव्यांगजनों को सहायता के चेक वितरित किए

धानाचूली (नैनीताल)। भालूगाड़ जलप्रपात समिति ने रविवार को नौवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया। समिति की ओर से दिव्यांगजनों को आर्थिक सहायता के चेक बांटे गए। समिति के पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कही। इस दौरान जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी, गोपाल सिंह बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख भावना आर्य, संस्थापक हरेंद्र सिंह बिष्ट, अध्यक्ष हरेंद्र सिंह बिष्ट, बहादुर सिंह बिष्ट, मोहन बिष्ट, कुंदन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

स्थापना दिवस समारोह पर भजनों पर झूमे श्रद्धालु

नैनीताल। मां नयना देवी मंदिर के 23 जून को होने वाले स्थापना दिवस समारोह के तहत 15 जून से शुरू हुए कार्यक्रमों के तहत भागवत कथा हुई। व्यास चंद्रशेखर अधिकारी ने देवी के विभिन्न स्वरूपों के बारे में बताया। श्रद्धालुओं ने गीता माहात्म्य को भी जाना। विभिन्न प्रसंगों के बीच हुए भजन–कीर्तन में श्रद्धालु झूमते नजर आए। झांकियां भी आयोजन का आकर्षण रहीं। मुख्य यजमान मनोज चौधरी रहे। सफलता में अध्यक्ष राजीव लोचन साह, सचिव प्रदीप कुमार शाह, घनश्याम लाल साह, किशन सिंह नेगी, मून बहादुर शाह, वसंत वल्लभ पांडे, चंद्रशेखर तिवारी, भुवन कांडपाल, सुमन साह, मंजू रौतेला आदि जुटे रहीं।

पार्किंग नहीं होने से सेब ढुलान से बढ़ रहा किसानों का खर्च

नौगांव (उत्तरकाशी)। स्योरी फल पट्टी के सेब उत्पादकों ने पुरानी मटियाली में वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग उठाई है। क्षेत्र के काश्तकारों का कहना है कि हर वर्ष सेब सीजन के दौरान बड़ी संख्या में वाहन सेब की ढुलान के लिए पुरानी मटियाली पहुंचते हैं लेकिन पार्किंग की सुविधा नहीं होने के कारण वाहन चालकों को अपने वाहन मुख्य लोडिंग स्थल से दूर खड़े करने पड़ते हैं। इससे सेब की पेटियों को वाहनों तक पहुंचाने में अतिरिक्त ढुलान और भाड़ा देना पड़ेगा।

सेब काश्तकार संजय रावत ने बताया कि पुरानी मटियाली क्षेत्र सेब उत्पादन के लिहाज से महत्वपूर्ण केंद्र है। लोनिवि की सड़क समाप्त होती है और यह स्थान बिंगसी, मटियाली, नैणी, नौगांव, धारी, कोटियालगांव, सुनारा, किममी, मुंगरा तथा मुराड़ी सहित अनेक गांवों के सैकड़ों सेब उत्पादकों के लिए सेब ढुलान का मुख्य केंद्र बिंदु है। सीजन के दौरान प्रतिदिन बड़ी मात्रा में सेब की पेटियां यहां पहुंचाई जाती है जिन्हें विभिन्न बाजारों तक भेजने के लिए वाहनों में लोड किया जाता है। ऐसे में पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने से यातायात प्रभावित होने के साथ–साथ काश्तकारों और वाहन चालकों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सेब सीजन शुरू होते ही क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है लेकिन पार्किंग स्थल के अभाव में वाहन सड़क किनारे या दूर–दराज स्थानों पर खड़े करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार मजदूरों को सेब की पेटियां लंबी दूरी तक ढोनी पड़ती है। इससे समय की बरबादी के साथ अतिरिक्त खर्च भी बढ़ जाता है। उन्होंने लोनिवि से पुरानी मटियाली में पार्किंग स्थल विकसित करने की मांग की।

प्रकृति प्रेमियों से गुलजार हुआ लच्छीवाला

ऋषिकेश। तपती गर्मी और चारधाम सीजन के बीच देहरादून के नजदीक लच्छीवाला नेचर पार्क पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। पार्क में 7,929 पर्यटकों की आमद दर्ज हुई। आंकड़ा बताता है कि प्रकृति प्रेमियों के बीच यह पार्क अब प्रदेश के टॉप डेस्टिनेशन में शुमार हो रहा है।

सुबह 8 बजे गेट खुलते ही टिकट काउंटर पर लंबी कतारें लग गईं। घने साल, सागौन के जंगलों के बीच फैली शीतल छाया, बीच पार्क से बहती असन नदी में पैडल बोटिंग का रोमांच और कंक्रीट के बीच प्राकृतिक झरनों की ठंडक, यही तीन वजहें हैं जो परिवार, युवा ग्रुप और स्कूल, कॉलेज के छात्रों को यहां खींच ला रही हैं। पिकनिक स्पॉट पर दरी बिछाकर लंच करते परिवार, सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाते युवा और नदी किनारे बच्चों को पत्थर फेंकते देखना आम नजारा था।

हरिसेवा आश्रम के वार्षिकोत्सव में पहुंचे सीएम धामी

बोले– 2027 का अर्धकुंभ भी कुंभ की तरह होगा भव्य

हरिद्वार। हरिपुरकलां स्थित हरिसेवा आश्रम के वार्षिकोत्सव एवं श्रीमद्भागवत कथा के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है।उन्होंने संत समाज को राष्ट्र और समाज का पथप्रदर्शक बताते हुए कहा कि संतों के आशीर्वाद से ही सनातन की ध्वजा विश्वभर में लहरा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बताते हुए वर्ष 2027 के अर्धकुंभ को भी कुंभ की भव्यता के अनुरूप आयोजित करने तथा देवभूमि के देवत्व की हर कीमत पर रक्षा करने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संतों ने सदैव देश और दुनिया को दिशा देने का कार्य किया है। ऐसे महान संतों की उपस्थिति में कुछ कहना सूर्य को दीपक दिखाने के समान है। ऐसे अवसरों पर बोलने से अधिक संत–महात्माओं का आशीर्वाद ग्रहण करना महत्वपूर्ण होता है।

देहरादून में 25 लाख की साइबर ठगी

देहरादून। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने करीब 25 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के दो सदस्यों को बंगाल से गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान तपन बिस्वास (45) और उत्तम कुमार दास (38) के रूप में हुई है, जो उत्तर 24 परगना जिले के रहने वाले हैं।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि देहरादून निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि साइबर ठगों ने उसका मोबाइल फोन हैक कर ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर बदल दिए तथा उसकी कंपनी के बैंक खाते से लगभग 24.95 लाख रुपये निकाल लिए। मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

नई टिहरी में बीएसएनएल टावर पर चढ़ा पूर्व तहसील कर्मी

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नौकरी से निकाले जाने से आक्रोशित एक पूर्व तहसील कर्मी नरोत्तम प्रसाद गैरोला निवासी ग्राम भांगला, पट्टी दोगी, नरेंद्रनगर बीएसएनएल के टावर पर चढ़ गया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड व एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जहां बातचीत के माध्यम से मामले का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है।

नरोत्तम का आरोप है कि वह उपनल के माध्यम से वर्ष 2017 से 2024 तक तहसील घनसाली में उप निबंधक के लिपिक के रूप में कार्यरत था। लेकिन उसे बिना किसी वजह के नौकरी से हटा दिया गया है। इस संबंध में वह कई बार शासन–प्रशासन के चक्कर काट चुका है, लेकिन उसे अब तक न्याय नहीं मिल सका है।

फास्टैग कटने पर भड़के हिमाचल के कार सवार

विकासनगर (देहरादून)। जनपद के कोतवाली सहसपुर अंतर्गत बल्लूपुर दून पांवटा फोरलेन पर शाहपुर–धर्मावाला स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारी के साथ हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत कार सवार युवकों ने मारपीट कर डाली। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। साथ ही कुछ कर्मियों ने पूरी घटना की वीडियो रिकार्डिंग भी की। पुलिस ने कर्मी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली सहसपुर में निशांत कुमार निवासी ग्राम शाहपुर कल्याणपुर ने दी तहरीर में बताया कि वह नव निर्मित बल्लूपुर दून पांवटा फोरलेन पर शाहपुर–धर्मावाला स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत हैं।

रविवार की रात 2:21 बजे हिमाचल प्रदेश नंबर की एक कार टोल प्लाजा पर लगे ऑटोमेटिक फास्टटैग रीडर द्वारा टोल कटने के बाद कार में बैठे युवक भड़क उठे।

उन्होंने टोल पर मौजूद कर्मियों के साथ गाली–गलौज करते हुए कहा कि तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने हमारी गाड़ी का टोल काट दिया और यह भी कहा कि तुम्हारी हमारी पहुंच का अंदाजा नहीं है। यह लोग शराब के नशे में थे। उसने व अन्य टोल कर्मियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने और अपनी शान दिखाने के लिए गाली–गलौज करते रहे। उन्होंने अपनी गाड़ी को लेन में खड़ा कर दिया, जिससे ट्रैफिक भी बाधित हो गया। वाहन में बैठे दो अज्ञात युवकों ने उसे अपशब्द कहने शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों युवक कार से उतरकर उसकी पिटाई करने लगे।इनमें से एक व्यक्ति टोल की फास्ट टैग पोर्टेबल मशीन लेकर आया और उसके सिर पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

चारधाम यात्रा में जानलेवा साबित हो रहे उत्तरी हरिद्वार के गंगा घाट

हरिद्वार। चारधाम यात्रा सीजन में उत्तरी हरिद्वार के गंगा घाट श्रद्धालुओं के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। दरअसल, हरकी पैड़ी क्षेत्र में भीड़ से बचने के लिए श्रद्धालु स्नान के लिए उत्तरी हरिद्वार का रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां अधिकांश घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं और गंगा की मुख्य धारा होने के चलते पानी का बहाव और गहराई ज्यादा है।

कई श्रद्धालु चेतावनी बोर्ड लगे होने के बावजूद निर्धारित सीमाओं से आगे बढ़ जाते हैं। कुछ लोग सेल्फी लेने या रोमांच के लिए भी तेज बहाव वाले हिस्सों तक पहुंच जाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं।

जहां चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, वहां भी कई श्रद्धालु उनकी अनदेखी करते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि दो महीने के यात्रा सीजन में 10 से ज्यादा श्रद्धालु अपनी जान गंवा चुके हैं। महज एक सप्ताह के भीतर गुजरात व दिल्ली के दो श्रद्धालुओं सहित तीन लोगों की डूबने से मौत हुई है।

उत्तराखंड में भूमि घोटालों पर कांग्रेस का हल्ला बोल, देहरादून में सचिवालय कूच

देहरादून। उत्तराखंड में कथित भूमि घोटालों, सरकारी भूमि के संदिग्ध हस्तांतरण और भू–माफिया को संरक्षण दिए जाने के आरोपों को लेकर प्रदेश कांग्रेस सोमवार को सड़क पर उतर आई।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिवालय कूच कर राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।पुलिस ने सचिवालय जाने से पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया, जिसके बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सड़क पर धरना देकर नारेबाजी की। पुलिस ने कांग्रेस के 50 से अधिक नेताओं को हिरासत में लिया।कांग्रेस भवन से शुरू हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने जल, जंगल और जमीन बचाओ और भू–माफिया पर कार्रवाई करो जैसे नारे लगाते हुए सचिवालय की ओर मार्च किया।कनक चौक के समीप पुलिस द्वारा रोके जाने पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड जैसे सीमित भौगोलिक संसाधनों वाले राज्य में भूमि और प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भूमि से जुड़े अनेक विवादास्पद मामले सामने आए हैं, जिन्होंने शासन–प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।उन्होंने कहा कि हरिद्वार नगर निगम भूमि खरीद प्रकरण में जांच के दौरान अनियमितताओं की पुष्टि और अधिकारियों पर हुई कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि भूमि संबंधी मामलों में व्यापक स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत है।

हरिद्वार से उठी संतों की आवाज हिंदुओं के हों दो से तीन बच्चे

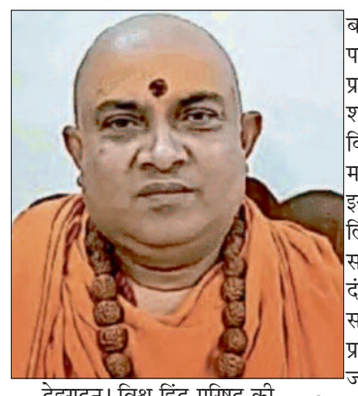

देहरादून। विश्व हिंदू परिषद की सबसे बड़ी चिंता हिंदुओं की जनसंख्या को लेकर है। विहिप ने संकल्प लिया है कि संगठन हिंदुओं को जगाने का अभियान चलाएगा। हिंदू समाज में अब एक बच्चे का चलन छोड़कर दो से तीन बच्चे होने चाहिए। विश्व हिंदू परिषद ने इस विषय को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है।हरिद्वार में विश्व हिन्दू परिषद की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में इस पर संत समाज ने निर्णय लिया है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव दंडी स्वामी जितेंद्रानन्द सरस्वती ने हिंदुओं में घटती प्रजनन दर और जनसांख्यिकीय बदलावों पर चिंता जताई। कहा, विहिप का चिंतन केवल मंदिर, तीर्थ और धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं। वह समाज की संरचना, परिवार की अवधारणा और भविष्य के भारत की जनसंख्या तस्वीर तक अपना विस्तार कर रहा है।

जानकीचट्टी में अव्यवस्था से स्थानीय लोग परेशान

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय लोगों और व्यवसायियों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि बस पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों में घोड़े–खच्चरों, डंडी–कंडी मजदूरों और उनके संचालकों का अनियंत्रित जमावड़ा श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग क्षेत्र में घोड़े–खच्चर संचालक और डंडी–कंडी मजदूर यात्रियों को सेवाओं के लिए आकर्षित करने की होड़ में लगातार आवाजाही और आवाज लगाते रहते हैं। इससे कई बार भीड़ और अफरा–तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। भाजपा नेता एवं होटल व्यवसायी संदीप राणा ने जिला पंचायत की ओर से संचालित कुली एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यात्रा पड़ाव पर बढ़ती अव्यवस्थाएं यमुनोत्री धाम की छवि को प्रभावित कर रही है। राणा ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रा पड़ावों पर अनुशासन, भीड़ प्रबंधन और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्किंग क्षेत्र, घोड़ा–खच्चर संचालन और डंडी–कंडी सेवाओं के लिए सख्त व्यवस्था लागू करने की मांग की।

दून में फुटपाथों पर पैदल चलने वालों का जीना हुआ दुभर

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन पहले एक बार फिर साफ कर दिया कि फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए हैं और जिम्मेदार एजेंसियां उन्हें अतिक्रमण मुक्त रखें। लेकिन दून में हालात ऐसे हैं कि फुटपाथ अब पैदल यात्रियों के नहीं, बल्कि कब्जेदारों के अधिकार क्षेत्र में दिखाई देते हैं। शहर के व्यस्त बाजारों और प्रमुख मार्गों पर पैदल चलना जोखिम भरा हो चुका है। लोग फुटपाथ छोड़कर वाहनों के बीच सड़क पर चलने को मजबूर हैं। जिम्मेदार नगर निगम, प्रशासन और पुलिस का तंत्र वर्षों बाद भी इस जटिल समस्या का स्थायी समाधान खोजने में विफल रहे हैं।

राजपुर रोड, सहारनपुर रोड, गांधी रोड, जीएमएस रोड, चकराता रोड, ईसी रोड, धर्मपुर और सबसे अधिक पलटन बाजार व धामावाला क्षेत्र में फुटपाथों की स्थिति सबसे खराब है। दुकानों का फैलाव, रेहड़ी–फड़, अवैध पार्किंग और अस्थायी निर्माण ने पैदल रास्तों को निगल लिया है। मोटे तौर पर शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों में 70 प्रतिशत से अधिक फुटपाथ किसी न किसी रूप में अतिक्रमण की चपेट में हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को होती है, जिन्हें सड़क पर वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर फुटपाथ बनाए गए, लेकिन उनका लाभ पैदल यात्रियों को नहीं मिल सका। शहर में ट्रैफिक बढ़ रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी। इसके बावजूद पैदल चलने वालों के अधिकार सबसे नीचे दिखाई देते हैं।

देहरादून में मांगों को लेकर गरजे शिक्षक, सरकार को दिखाई ताकत

देहरादून। अपनी लंबित मांगों को लेकर उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले सोमवार को प्रदेशभर से पहुंचे शिक्षकों ने राजधानी में शक्ति प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में शिक्षक परेड ग्राउंड से सचिवालय कूच के लिए निकले और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कनक चौक के समीप बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। इस दौरान शिक्षकों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की व तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में शिक्षक सड़क पर धरने पर बैठ गए और मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। काफी देर तक चले प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। शिक्षक संघ ने मांगपत्र में कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। संघ का तर्क है कि ये

शिक्षक वर्षों से नियमों के तहत नियुक्त होकर सेवाएं दे रहे हैं और प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। हाल ही में टीईटी संबंधी न्यायालय के आदेश के बाद हजारों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। संघ का दावा है कि उत्तराखंड में 20 हजार से अधिक और देशभर में करीब 25 लाख शिक्षक इस मुद्दे से प्रभावित हैं। ज्ञापन में प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने, प्राथमिक शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों को डीएलएड और एससीईआरटी में समायोजित करने, दीर्घ शैक्षणिक अनुभव के आधार पर शिक्षकों को टीईटी से छूट देने, स्थानांतरण प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा शिक्षामित्रों को न्यूनतम वेतनमान देने की मांग की गई है। इसके अलावा गोल्डन कार्ड की खामियां दूर करने, आनलाइन कार्यों के लिए मोबाइल रिचार्ज भत्ता देने, विद्यालयों के कोटिकरण की विसंगतियां समाप्त करने और प्राथमिक शिक्षकों को गैर–शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। इस दौरान देहरादून से धर्मेंद्र रावत, चमोली से दिगंबर नेगी, अल्मोड़ा से किशोर जोशी, टिहरी चंद्रवीर नेगी, उत्तरकाशी जयदेव राणा, बागेश्वर से दीपक रावत, चंपावत से उत्तम फत्र्याल, पिथौरागढ़ से करन सामंत, प्रकाश जोशी, जितेंद्र वल्दिया, मनोज तिवारी, अश्विनी चौहान, सुरेश उप्रेती, देवेंद्र चौधरी, मनोज जुगरान, विक्रम झिंक्वाण आदि रैली में शामिल हुए।

एक नजर

शिविर में 200 लोगों ने करवाई जांच

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आश्रये क्लिनिक की तरफ से निःशुल्क त्वचा रोग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के त्वचा रोग से संबधित 200 लोगों ने अपना परीक्षण करवाया, जिन्हें दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ चिकित्सक डा. तरूण मित्तल ने किया। सर्वप्रथम शिविर में पहुंचे एलर्जी, फंगल संक्रमण, खुजली, मुंहासे सहित अन्य त्वचा रोगों की जांच की गई। डा. तरुण मित्तल ने कहा कि वर्तमान में तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि धूप में निकलते समय सनस्क्रीन का उपयोग अवश्य करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं तथा त्वचा की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। इस मौके पर डा. तरूण मित्तल, संदीप कपूर, अश्वनी बालियान, संजीव, नीलम, भूमि, निकिता मौजूद रहे।

मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर भोजनमाताओं ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मानदेय बढ़ोत्तरी समेत विभिन्न मांगों के लिए उत्तराखंड भोजनमाता कामगार यूनियन से जुड़ी भोजनमाताओं ने सोमवार को डीएम कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान भोजनमाताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भोजनमाताओं ने कहा कि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस दौरान यूनियन की प्रांतीय अध्यक्ष रोशनी बिष्ट ने कहा कि भोजनमाताएं लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रही हैं, लेकिन सरकार की ओर से इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे भोजनमाताओं में नाराजगी बनी हुई है। उन्होंने सरकार से भोजनमाताओं का मानदेय बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने, जून का लंबित मानदेय जारी करने, शीतकालीन वर्दी उपलब्ध कराने और सेवानिवृत्ति के बाद ग्रेज्युटी व पेंशन का लाभ देने, भविष्य निधि और ईएसआई सुविधा देने व मध्याह्न भोजन योजना को निजी हाथों में नहीं सौंपने की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या जुयाल, कालंदी देवी, विनीता देवी, सुनीता, मंजू, संपति देवी आदि भोजनमाताएं मौजूद रहीं।

लापता बालिका 14 दिन बाद भी नहीं मिली, खोजने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्रीनगर में लापता बालिका का 14 दिन बीतने के बाद भी सुराग नहीं लगने पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने रोष व्यक्त किया। संघ ने जिलाधिकारी व एसएसपी को ज्ञापन देकर जल्द लापता बालिका को खोजने की मांग की। सोमवार को अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने जिलाधिकारी व एसएसपी को ज्ञापन दिया। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर से लापता बालिका का सुराग नहीं लग पा रहा है। जिससे उनके परिजन काफी परेशान है। इस मौके पर संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीन घाघट, संजीव, मुकेश, राहुल, राजेश कुमार, मनोज कुमार आदि शामिल रहे।

पर्यावरण मित्रों को दिया प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम सभागार में सोमवार को नमस्ते योजना के तहत आयोजित कार्यशाला में सीवर सफाई कार्य से जुड़े 50 से अधिक पर्यावरण मित्रों को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक चेतन पाटिल ने पीईपी किट के उपयोग, हेल्थ हाइजीन और सीवर कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। महापौर आरती भंडारी ने कहा कि पर्यावरण मित्र शहर की रीढ़ हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

..तो इस वर्ष भी कहीं तबाही न मचा दें पनियाली गदेरा, नोटिस की खानापूर्ति

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत में नाले में तब्दील पनियाली गदेरा

पूर्व में कई बार अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाने के बाद भी नहीं दिया गया ध्यान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर क्षेत्र के बीच से गुजरने वाला पनियाली गदेरा हर बरसात में चुनौती बनता है। गदेरे के आसपास पसरा अतिक्रमण मुसीबत बना हुआ है। हालत यह है कि पूर्व में गदेरे के आसपास 166 अतिक्रमण को चिह्नित करने के बाद भी सरकारी सिस्टम आज तक इसे नहीं हटा पाया है। ऐसे में इस वर्ष भी बरसात में चुनौती बढ़ सकती है।

लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के जंगलों से निकल पनियाली गदेरा नगर के मध्य से होता हुआ खोह नदी में मिलता है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप से गदेरा नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करता है। इसके बाद शिवपुर, आमपड़ाव, मानपुर, सिताबपुर, काशीरामपुर, कौड़िया क्षेत्रों से होता हुआ खोह नदी तक पहुंचता है। जंगल से जैसे ही यह गदेरा शहर में प्रवेश करता है, गदेरे का आकार सिकुड़ने लगता है। इसका मुख्य कारण गदेरे में लगातार बढ़ता अतिक्रमण है। दरअसल, वर्षा के दौरान उफान पर बने पनियाली गदेरे पर वर्षा के जल को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। जिससे पानी भारी मलबे को लेकर आबादी में घुस जाता है। इससे आबादी क्षेत्र को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

नोटिस तक सिमटा सरकारी तंत्र

पनियाली गदेरे को अतिक्रमण मुक्त करने के नाम पर सरकारी सिस्टम केवल नोटिस व अतिक्रमण चिह्नित करने तक ही सीमित है। 2017 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद सिंचाई विभाग ने पनियाली गदेरे में आमपड़ाव से कौड़िया के मध्य 130 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, किसी भी अतिक्रमण को हटाया नहीं गया।

2023 में पुनः विभाग ने अतिक्रमण चिह्नितकरण की कार्रवाई करते हुए 156 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, पूर्व की भांति इस मर्तबा भी विभाग अतिक्रमणकारियों को नोटिस देने तक ही सिमट कर रह गया। वर्तमान में गदेरे पर 166 से अधिक अतिक्रमण मौजूद हैं, जिन्हें विभाग की ओर से नोटिस जारी किए गए हैं।

पनियाली गदेरे में हुए हादसे

1. वर्ष 1988 में पनियाली गदेरे में आई बाढ़ से दो लोगों की मौत। गदेरे से सटे क्षेत्रों में भारी नुकसान
2. वर्ष 1993-94 में गदेरे में आई बाढ़ से निचले क्षेत्रों में कई घरों में पानी भर गया। कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लोगों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ।
3. 16 सितंबर 2012 को सूर्या नगर में बनी पुलिया के कारण गदेरे का पानी सूर्या नगर व कौड़िया क्षेत्र में भरा, भारी नुकसान।
4. अगस्त 2017 को पनियाली गदेरे से आई बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत, पूरे क्षेत्र में जलभराव, हजारों घरों में भरा मलबा
5. अगस्त 2018 में पनियाली गदेरे के उफान पर आने के बाद कई घरों में मलबा घुसा, एक महिला की मौत
6. जुलाई 2019 में घर में गदेरे का पानी भर जाने के बाद सामान बाहर निकाल रहे तीन युवकों की करंट लगने से मौत
7. सात अगस्त 2023 में पनियाली गदेरे ने कौड़िया क्षेत्र में जमकर उत्पात है। गदेरे के तेज बहाव में गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंटल सेंटर के विक्टोरिया क्रास विजेता गबर सिंह कैंप को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाली पुलिया बह गई। साथ ही कुछ आवासों को भी नुकसान पहुंचा।

विधायक, डीएम ने किया बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कंडोलिया इंडोर स्टेडियम के बहुप्रतीक्षित बैडमिंटन कोर्ट का सोमवार को विधायक राजकुमार पोरी और जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ होने से खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेगी।

विधायक पोरी ने कहा कि स्टेडियम का सौंदर्यीकरण उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया गया है। उन्होंने खिलाड़ियों और नागरिकों से परिसर के संरक्षण में सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान आने वाली समस्याओं को देखते हुए आवश्यक सुधार कार्य कराए गए हैं। इससे उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिला खेल अधिकारी जयबीर रावत ने बताया कि स्टेडियम में वुडन फ्लोर मैटिंग, पॉलिशिंग, वॉल पेंटिंग, विद्युत व्यवस्था समेत विभिन्न मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं।

इससे खिलाड़ियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में अभ्यास व प्रतियोगिताओं की सुविधा मिलेगी। इस मौके पर संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात, डीएसटीओ राम सलोने, डीटीओ खुशाल सिंह नेगी, रीप परियोजना प्रबंधक कुलदीप बिष्ट आदि मौजूद रहे।

योग क्विज प्रतियोगिता में कुमकुम व आराध्या रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में योग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान क्विज प्रतियोगिता में कुमकुम व आराध्या ने अव्वल स्थान प्राप्त किया।

जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विभिन्न योग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग और प्राणायाम के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, महेंद्र गौड़ एवं कार्यक्रम अधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी आचार्य रोहित बलोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि योग प्रशिक्षक योगेश नेगी के

आयोजित प्रतियोगिता के दौरान योगाभ्यास करते विद्यार्थी

निर्देशन में विद्यार्थियों को ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित अनुलोम-विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायामों का अभ्यास कराया गया तथा योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सीनियर वर्ग में कुमकुम रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रेया थपलियाल द्वितीय और पीयूष रावत तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में आराध्या बिष्ट ने प्रथम, रिद्धयांशा ने द्वितीय तथा रूद्रांक्ष ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर योगमय वातावरण में सराबोर रहा और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास में भाग लिया।

शहर में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था सुधारने की मांग, पार्षदों ने जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण की बिगड़ती व्यवस्था को लेकर पार्षदों ने नाराजगी जताते हुए जल्द प्रभावी समाधान की मांग की है। पार्षदों ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए शहर में ठोस और आधुनिक कूड़ा निस्तारण प्रणाली विकसित किया जाना आवश्यक है, अन्यथा आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पार्षद विपिन डोबरियाल और हिमांशु वर्मा के नेतृत्व में वार्डवासी तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में नगर निगम क्षेत्र का कूड़ा गाड़ीघाट स्थित खोह नदी किनारे ट्रेंचिंग ग्राउंड में डाला जा रहा है, जो न केवल नियमों के विपरीत है बल्कि पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है। पार्षदों ने आरोप लगाया कि यह ट्रेंचिंग ग्राउंड आबादी के बीच स्थित होने के कारण नगरवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है और 40 वार्डों का बढ़ता कूड़ा यहां निस्तारित करना संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि नगर निगम क्षेत्र में शामिल पूर्व की चार न्याय पंचायतों में कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित किए जाएं, जिससे विकेंद्रीकृत व्यवस्था के तहत कूड़े का बेहतर प्रबंधन हो सके। साथ ही उन्होंने मांग की कि कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को स्वच्छ भारत मिशन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप विकसित किया जाए। इस मौके पर उर्मिला देवी, राम स्वरूप, आशा देवी और अतुल सहित अन्य वार्डवासी मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा लाइसेंस नं0 UK-1520160040797 है, जिसमें मेरा नाम प्रियंका जंग (PRIYANKA JUNG) एवं मेरे पिता का नाम SURENDRA SHAMSHER JUNG अंकित है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों मेरा सही नाम प्रियांक्षा जंग (PRIYANKSHA JUNG) एवं मेरे पिता का नाम SURENDRA SUMSHER JUNG अंकित है। मेरे लाइसेंस नं0 UK-1520160040797 में मेरा सही नाम प्रियांक्षा जंग (PRIYANKSHA JUNG) एवं मेरे पिता का नाम SURENDRA SUMSHER JUNG अंकित किया जाये।

प्रियांक्षा जंग पुत्री सुरेन्द्र समशेर जंग, निवासी घनानन्द विहार कालोनी, 29 घमण्डपुर, पो0 निम्बूचौड़, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0537/21)

रोटरी क्लब का स्वर्ण जयंती समारोह धूमधाम से सम्पन्न, स्मारिका का हुआ विमोचन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब का 50वां स्वर्ण जयंती समारोह बलभद्रपुर स्थित एक रिसॉर्ट में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्लब की स्मारिका का विमोचन किया गया तथा पिछले पांच दशकों में सेवा कार्यों में योगदान देने वाले अध्यक्षों एवं मंडलाध्यक्षों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडलाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में इनरव्हील क्लब के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना, वंदे मातरम् एवं स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

इसके बाद गढ़वाली लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। अपने संबोधन में मंडलाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज को जोड़ते हुए सेवा कार्यों के माध्यम से जनहित में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में क्लब ने समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए हैं

रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार

और भविष्य में भी यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। क्लब अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए क्लब के 50 वर्षों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

इस दौरान क्लब के पूर्व अध्यक्षों, मंडलाध्यक्षों, चार्टर सदस्यों तथा ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत विदेश भेजे गए 17 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, पूर्व मंडलाध्यक्ष मनीष शारदा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ

E-Mail ID-eecdpwdpaboo@gmail.com. eecdpab.pwduk@gov.in

पत्रांकः- 1053/12ए0सी0 दिनांक 22/06/2026

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पाबौ द्वारा निम्नलिखित कार्यों की शील्ड निविदा दिनांक 09.07.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.06.2026 से 08.07.2026 किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 09.07.2026 अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाली जा सकती हैं। निविदा दिनांक 10.07.2026 को अपरान्हन 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

निविदा विक्रय एवं प्राप्त करने वाले कार्यालयों के नामः–

1. कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त लो0नि0वि0, पौड़ी। 2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पाबौ।
3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पौड़ी। 4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0 लो0नि0वि0, कीर्तिनगर।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी।
1	निक्षेप कार्य के अन्तर्गत जनपद पौडी गढ़वाल के विकासखण्ड थैलीसैण में पैठाणी-बडेथ मोटर मार्ग के कि0मी0 4, 5, 6, 7 में दीवार निर्माण का कार्य।	28000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	4 माह	डी एवं उच्चतर मार्ग कार्य में पंजीकृत
2	-तदैव- कि0मी0 8, 9, 10 में दीवार निर्माण एवं पक्की नाली व पुलिया का निर्माण कार्य।	24000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	4 माह	-तदैव-
3	-तदैव- कि0मी0 15 में दीवार निर्माण एवं पक्की नाली व पुलिया का निर्माण कार्य।	30000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	4 माह	-तदैव-
4	-तदैव- कि0मी0 16, 17 में दीवार निर्माण एवं पक्की नाली व स्कपर का निर्माण कार्य।	28000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	4 माह	-तदैव-

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर धनराशि एन0एस0सी0, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में, जो अद्योहस्ताक्षरी के पदनाम से बंधक हो, लगाना आवश्यक है।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीदी टिकट हो, वैधता की शर्तों के साथ लगाना अनिवार्य है, इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया गया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्लू0 9 निविदा प्रपत्र एम0एफ0 69/70 एवं शासनादेश संख्या 2611/111 (2) 07-75 सा0 दिनांक 26.10.2007 के अनुसार होगी, निविदा की अन्य शर्ते/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

नोटः– निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पाबौ

(0261/73)

बछिया पालन योजना से महिलाएं बनेगी आत्मनिर्भर

श्रीनगर गढ़वाल : ग्रामीण क्षेत्रों की महिला दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से श्रीनगर आंचल डेयरी ने जिला योजना के तहत बछिया पालन योजना शुरू की है। योजना के लिए जून के अंतिम सप्ताह से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके माध्यम से महिलाओं को उन्नत नस्ल की बछिया उपलब्ध कराने के साथ ही उनके पालन-पोषण में भी आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिससे वे दुग्ध व्यवसाय के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें।आंचल डेयरी के प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जुड़ी महिला दुग्ध उत्पादकों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत चयनित महिलाओं को उन्नत नस्ल की बछिया खरीदने के लिए 10 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त बछिया के एक वर्ष के पालन-पोषण के लिए 20 हजार रुपये की सहायता पशु आहार, भूसा, मिनरल मिक्सचर, साइलेज एवं अन्य आवश्यक सामग्री के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से महिला दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी और वे डेयरी व्यवसाय के प्रति अधिक आत्मनिर्भर बनेंगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा उन्नत नस्ल के गोवंश की संख्या में वृद्धि होने से दुग्ध उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक महिलाओं को इस योजना से जोड़ा जाए, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और महिलाएं स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी बेहतर बना सकें।

टेंपो ट्रैवलर और ट्रक की टक्कर, दो घायल

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीनधारा में सोमवार को उत्तराखंड परिवहन निगम के टेंपो ट्रैवलर व ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से टैंपो ट्रैवलर सवार एक यात्री के सिर पर गहरी चोटें आईं व चालक भी घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को सीएचसी बागी में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। चौकी प्रभारी बछेलीखाल महेंद्र राणा ने बताया कि सोमवार सुबह तीन धारा में बदरीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर आ रहे टेंपो ट्रेवलर की ऋषिकेश की ओर से आ रहे ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर में टेंपो ट्रैवलर चालक हरदीप सिंह (45 वर्ष) पुत्र मुख्तार सिंह, निवासी ग्राम अहमदपुर ग्रांट, थाना बहादराबाद,जिला हरिद्वार घायल हो गया।

श्रीनगर में लगा लोक कल्याण मेला

श्रीनगर गढ़वाल : प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को नगर निगम सभागार में एक दिवसीय लोक कल्याण मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्ट्रीट वेंडर्स, रेहड़ी-ठेली व फड़ व्यवसायियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मेयर आरती भंडारी ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपये तक का ऋण कम ब्याज दरों पर दिया जा रहा है। नगर निगम श्रीनगर अब तक 240 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण उपलब्ध करा चुका है। सिटी मिशन मैनेजर जगदीश रतूड़ी ने ऋण प्रक्रिया, ब्याज अनुदान, डिजिटल लेनदेन और समय पर पुनर्भुगतान के लाभों की जानकारी दी।

संपादकीय

निर्विवाद परीक्षा पर बने नीति

किसी भी देश में युवाओं के आगे बढ़ने का रास्ता प्रतियोगिता परीक्षाएं होती हैं और सरकार का यह दायित्व बनता है कि वह इन परीक्षाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराए। भारत में नीट की परीक्षा हमेशा से ही विवादों में रही है जिस कारण गत परीक्षा रद्द करनी पड़ी और बीते रविवार दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। हालांकि इस बार निष्पक्ष एवं पूर्ण सुरक्षा के साथ परीक्षा का दावा किया गया है लेकिन कुछ मामलों में परीक्षा केदो पर केंद्र बदलने से संबंधित मामले सामने आए हैं जिस कारण कुछ परीक्षार्थी परीक्षा देने से वंचित रह गए। इन छात्रों का आगे क्या होगा इस संबंध में अभी तक कोई दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए हैं लेकिन सरकार को चाहिए कि वह ऐसे छात्रों को पुनः एक मौका और दे जिनके सेंटर या तो बदले गए या फिर कुछ छात्र विभिन्न कारणों से समय पर सेंटर नहीं पहुंच पाए। निर्विवाद परीक्षाएं किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला होती है। विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य का मूल्यांकन परीक्षाओं के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में यदि परीक्षा के प्रश्नपत्र में गड़बड़ी हो जाए या परीक्षा व्यवस्था में अव्यवस्था फैल जाए, तो इसका सीधा असर लाखों छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।हाल के वर्षों में कई प्रतियोगी और शैक्षणिक परीक्षाओं में पेपर लीक, गलत प्रश्न, उत्तर कुंजी में त्रुटियां तथा परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्था जैसी घटनाएं सामने आई हैं। इससे विद्यार्थियों में निराशा और असंतोष बढ़ता है। कई छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, लेकिन व्यवस्था की खामियों के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। परीक्षा केंद्रों पर समय पर व्यवस्थाएं न होना, तकनीकी समस्याएं, पर्याप्त निगरानी का अभाव तथा प्रशासनिक लापरवाही भी गंभीर चिंताओं का विषय हैं। ऐसी परिस्थितियों में परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है और छात्रों का विश्वास कमजोर होता है। सरकार, परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं तथा प्रशासन की जिम्मेदारी है कि प्रश्नपत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। आधुनिक तकनीक का उपयोग, कड़ी निगरानी तथा जवाबदेही तय करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। अंततः, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी प्रकार की लापरवाही का शिकार नहीं होना चाहिए। एक सशक्त और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली ही योग्य युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर सकती है। समय पर परीक्षा केंद्र नाम पहुंचने वाले छात्रों कि अभिभावकों को ही नहीं बल्कि सभी को यह ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा केंद्र पर लगभग आधा घंटा पूर्व अपनी उपस्थिति सुरक्षित कर ली जाए। समय का पवन होना बहुत जरूरी है जो भविष्य में सफलता की दिशा भी तय करता है।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

राष्ट्रवाद, एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रणेता : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

सौरभ वार्ष्णेय

यह सत्य है कि कुछ महापुरुष कुछ समय के लिए पृथ्वी अवतरित होकर इस जग के लिए महान कार्य कर कालजयी हो जाते हैं ऐसे ही एक महापुरुष हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हुए जिनकी आज 23 जून 2026 को पुण्यतिथि है। हम श्री मुखर्जी को एक राजनीतिक घटना से ही याद नहीं करते वरन उनके महान कार्यों के लिए उन्हें याद करेंगे। भारतीय जनसंघ के गठन से उनकी विरासत सदा सदा के लिए अमर हो गई। 23 जून भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन देश के प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद्, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। वर्ष 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण आज भी भारतीय राजनीति और समाज को प्रेरित करते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का उदाहरण रहा। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनका योगदान असाधारण रहा। स्वतंत्रता के बाद वे देश की पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए, लेकिन राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना उचित समझा। यह उनके सिद्धांतवादी व्यक्तित्व का प्रमाण था। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरुद्ध था। उनका प्रसिद्ध नारा–एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे–राष्ट्रीय एकता की उनकी सोच को दशार्ता है। उनका मानना था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है तथा किसी भी राज्य के लिए अलग संवैधानिक व्यवस्था दीर्घकाल में राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं हो सकती।

भारतीय जनसंघ के गठन से अमर हुई विरासत

वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ में ही देखी जाती हैं। संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और लोकतांत्रिक संघर्ष की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वह आज भी भारतीय राजनीति में प्रभावी दिखाई देती है। हालांकि डॉ. मुखर्जी के विचारों और नीतियों पर समय-समय पर मतभेद भी रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि विभिन्न विचारधाराएं अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और जनता उनके आधार पर निर्णय लेती है। लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात निर्भीकता से रखी और सिद्धांतों के लिए राजनीतिक जोखिम उठाने से कभी पीछे नहीं हटे। आज जब देश अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों, वैचारिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का साधन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों पर गंभीर चिंतन का भी समय है। राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के प्रति उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र उनके प्रति कृतज्ञ है और आने वाली पीढि ?ां उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

21 अक्टूबर 1951 का दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इसी दिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीकें नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। यह केवल एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत में वैचारिक राजनीति के एक नए अध्याय की शुरूआत थी। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद् और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने उस समय की सत्ता की नीतियों से वैचारिक मतभेद होने पर सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय एक नए राजनीतिक विकल्प की स्थापना का मार्ग चुना। भारतीय जनसंघ का उद्देश्य राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखकर राजनीति करना था। 21 अक्टूबर 1951 को स्थापित भारतीय जनसंघ ने धीरे-धीरे देश की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरोध में उनका संघर्ष आज भी याद किया जाता है। यद्यपि 1953 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और राजनीतिक दृष्टि जीवित रहे। जनसंघ आगे चलकर 1977 में जनता पार्टी का हिस्सा बना और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। आज देश की राजनीति में जिस वैचारिक धारा का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है, उसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को एक स्थायी वैचारिक दिशा दी और स्वयं को इतिहास में कालजयी बना लिया। उनका जीवन राष्ट्रहित, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे:

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता का प्रबल उद्घोष था। यह उद्घोष भारत के महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने उस समय दिया था, जब जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक प्रावधानों के तहत अलग दर्जा प्राप्त था। आज उनकी पुण्यतिथि पर यह नारा भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधानमंत्री (वजीर-ए-आजम) की व्यवस्था थी। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था भारत की राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत है। उनका तर्क था कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहां के नागरिकों को भी वही संवैधानिक व्यवस्था प्राप्त होनी चाहिए जो देश के अन्य राज्यों में लागू है।इसी विचार को लेकर उन्होंने 1953 में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उस समय राज्य में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसका विरोध करते हुए बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया और उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान देने वाले नेता के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. मुखर्जी के इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनके द्वारा स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखा। बाद में यही विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल रही। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के निर्णय को अनेक लोग डॉ. मुखर्जी के सपने की पूर्ति के रूप में देखते हैं।हालांकि इस विषय पर राजनीतिक मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों का मानना था कि विशेष दर्जा जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट परिस्थितियों और पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक था। लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक समानता का प्रश्न सदैव महत्वपूर्ण बना रहेगा।

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह नारा और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, समान अधिकारों और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम तरीका यही है कि हम भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक आदर्शों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस- दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 130 वर्ष... भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्टस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन- 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है।

सिनेमा के माध्यम से बदलती दुनिया का सृजनात्मक दस्तावेज

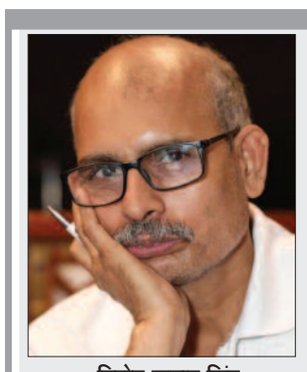

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।

मुम्बई आईएफएफ-2026 मे पोलैंड की 'सिल्वर' ने जीता गोल्डन कॉन्च,भारत की फिल्मों ने भी छोड़ी गहरी छाप...

मुम्बई में आयोजित 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य समापन केवल एक फिल्म समारोह का अंत नहीं,बल्कि सिनेमा की उस वैश्विक यात्रा का उत्सव था जो सभी सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे मानव अनुभवों को जोड़ती है। इस फिल्म समारोह में वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित यह प्रतिष्ठित महोत्सव एक बार फिर सिद्ध कर गया कि गैर-फीचर सिनेमा समाज के बदलते यथार्थ का सबसे सशक्त दस्तावेज है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा थे।उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में एम आई एफ एफ एक राष्ट्रीय आयोजन से विकसित होकर वैश्विक रचनात्मक आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'WAVES' शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि "Create in India, Create for the World" आज भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नया मंत्र बन चुका है।राज्यपाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग और फिल्मकारों की बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया।इस वर्ष एम आई एफ एफ को दुनिया भर से1459 फिल्मों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं,जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण है।प्रतियोगिता खंड में13 देशों की144 फिल्मों का चयन किया गया,जबकि गैर-प्रतियोगिता खंड में 46 देशों की 202 फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। कुल मिलाकर 83 घंटे से अधिक की स्क्रीनिंग और 24 विशेष क्यूरेटेड श्रेणियों ने महोत्सव को विश्व स्तरीय आयाम प्रदान किया।

पुरस्कारों की दृष्टि से एम आई एफ एफ-2026 अनेक यादगार उपलब्धियों का साक्षी बना।अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन कॉन्च पुरस्कार पोलैंड की फिल्म 'सिल्वर' को प्रदान किया गया। निर्देशक नतालिया कोनियार्ज और निमार्ता मैचेज कुबिकी की इस फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं और यथार्थपरक

प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया।अंतरराष्ट्रीय लघु कथा फिल्म श्रेणी में ईरान की 'अंडर द स्नो' को सिल्वर कॉन्च से सम्मानित किया गया,जबकि जर्मनी की एनीमेशन फिल्म 'मायाज सॉन्ग' ने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया। इन फिल्मों ने यह सिद्ध किया कि सीमित अवधि में भी गहरे मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।भारतीय फिल्मों ने भी अपनी रचनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। तमिल एनीमेशन फिल्म 'आर्मस्ट्रॉन्ग फ्रॉम अंगालम्मन टेम्पल स्ट्रीट' को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म का सिल्वर कॉन्च मिला। एफटीआईआई निर्मित लघु कथा फिल्म 'स्मॉल क्लाउड्स' ने सर्वश्रेष्ठ भारतीय लघु कथा फिल्म का सम्मान प्राप्त किया,जबकि निर्देशक साईनाथ एस.उस्काइकर की वृत्तचित्र फिल्म 'वाआई' को सर्वश्रेष्ठ भारतीय वृत्तचित्र फिल्म का पुरस्कार मिला।तकनीकी श्रेणियों में भी भारतीय प्रतिभाओं का दबदबा दिखाई दिया। 'टर्टल वॉकर' के लिए कृष्ण माखीजा को सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटो ग्राफर का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 'देवा आज पन व्हाय' के लिए अभय रुमडे को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन का सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय श्रेणी में रणधीर बिस्वास को 'स्मॉल क्लाउड्स' के लिए सिनेमेटोग्राफी तथा अखिल कृष्णन को 'मे-डे' के लिए संपादन पुरस्कार मिला। विशेष पुरस्कारों में ताइवान की फिल्म 'द होर्डर्स' को प्रमोद पाटी विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया।अंतरराष्ट्रीय फिल्म समीक्षकसंघ(एफआईपीआरईएससी आई)का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदीप केंचनुरु की फिल्म 'द हग ऑफ एम्प्टिनेस' को मिला।छात्र वर्ग में मिलन कुमार की फिल्म 'द ओल्ड बुल नोज,ऑर वन्स न्यू' को सम्मानित किया गया,जबकि दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक पुरस्कार पूजा टोलानी को उनकी फिल्म 'राजा' के लिए दिया गया।एम आई एफ एफ 2026 की एक विशेष उपलब्धि इसकी विषयगत विविधता रही। पर्यावरण, सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक विरासत,आदिवासी जीवन,मानवीय संघर्ष और बदलती तकनीकी दुनिया जैसे विषयों पर आधारित फिल्मों ने दर्शकों को गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान किया। इस वर्ष 'Echoes from North East' और 'मराठी फिल्मस' जैसी नई श्रेणियों को शामिल कर क्षेत्रीय कथाओं को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।आज जब व्यावसायिक सिनेमा अक्सर बाजार की अपेक्षाओं से संचालित होता है,तब एम आई एफ एफ जैसे मंच सिनेमा की बौद्धिक और सामाजिक भूमिका को जीवित रखते हैं।यह महोत्सव बताता है कि कैमरा केवल दृश्य रिकॉर्ड नहीं करता,वह इतिहास को संरक्षित करता है,प्रश्न पूछता है,संवेदनाएँ जगाता है और परिवर्तन की चेतना को जन्म देता है।एम आई एफ एफ-2026 का परदा भले ही गिर गया हो,लेकिन इसकी फिल्मों में उठाए गए प्रश्न, प्रस्तुत किए गए विचार और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ लंबे समय तक दर्शकों के मन-मस्तिष्क में जीवित रहेंगी।यही किसी भी महान फिल्म महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता होती है।अब सिनेमा प्रेमियों की निगाहें अगले अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले एम आई एफ एफ के अगले संस्करण पर टिक गई हैं,जहाँ दुनिया भर के कहानी कार फिर एक बार अपनी संवेदनाओं और सपनों के साथ उपस्थित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अपना नया विमान ‘एयरफोर्स-1’ दिखाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को नया एयरफोर्स वन विमान दिखाया। यह विमान पहले कतर सरकार के पास था। पिछले साल मई में कतर ने बोइंग 747 का यह आधुनिक मॉडल ट्रम्प को उपहार में दिया था। बाद में इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान के रूप में तैयार किया गया। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रयूज में ट्रम्प ने इस विमान को दुनिया का सबसे शानदार राष्ट्रपति विमान बताया। उन्होंने कहा, ‘इस विमान को उड़ते हुए व्हाइट हाउस की तरह बनाया गया है। इतनी लग्जरी शायद दुनिया ने पहले कभी नहीं देखी होगी।’ नए विमान का रंग-रूप मौजूदा एयर फोर्स वन से पूरी तरह अलग है। पुराने विमान के हल्के नीले रंग की जगह इसके निचले हिस्से को गहरे नेवी ब्लू रंग से रंगा गया है, जबकि उसके ऊपर लाल पट्टी बनाई गई है। विमान के उस हिस्से पर, जहां से राष्ट्रपति चढ़ते हैं, राष्ट्रपति की आधिकारिक मुहर लगाई गई है। वहीं पिछले हिस्से पर अमेरिकी झंडा बनाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि जब यह प्लेन लंदन, जर्मनी या दुनिया के किसी अन्य एयरपोर्ट पर उतरेगा तो कोई भी इसकी बराबरी नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा, ‘हमारे देश का प्रतिनिधित्व इसी तरह होना चाहिए। रंग और डिजाइन मेरी पसंद के हैं, यह मैं मानता हूं।’ उन्होंने यह भी बताया कि नया एयर फोर्स वन अगले महीने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान फ्लाईपास्ट करेगा।

अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दो... इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का ट्रंप पर तीखा पलटवार

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को ट्रंप ने फोटो लेने वाले दावे को फिर से दोहराया। ट्रंप के दावे पर मेलोनी भी शांत नहीं बैठी, पलटवार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर फिर से पोस्ट किया और लिखा कि फ्रांस में जी-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए कहा। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है। मेलोनी ने अपने पोस्ट में ट्रंप पर पलटवार करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप, ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले बेमतलब हैं। जहां तक मेरी लोकप्रियता की बात है, तो आपका दोस्त होने से इसमें कोई मदद नहीं मिली है और न ही यह आपके साथ मेरे रिश्तों पर निर्भर करती है। मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है। इटली में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के मामले में भी मैंने यही किया। उनके इस्तेमाल से जुड़े समझौतों का हमने हमेशा सम्मान किया है, और जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, उनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें। फ्रांस में जी-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ तस्वीरें खिंचवाने की गुजारिश की। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है, शायद इसलिए क्योंकि जब ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने या बनाने से रोकने की बात आई, तो उन्होंने अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने हमें इटली के लैंडिंग स्ट्रिप्स या रनवे का इस्तेमाल भी नहीं करने दिया, जिससे बहुत बड़ी लॉजिस्टिकल दिक्कत हुई। ट्रंप ने आगे लिखा, यह तब हुआ जब अमेरिका इटली और दूसरे तथाकथित इअड सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करता है। अब जब अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है, तो वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए फिर से दोस्ती करना चाहती हैं।

जासूसी में फ्रांस ने बंद किए चीन के नौ गुप्त केंद्र, दो लोग निष्कासित

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने देश में संचालित चीन के नौ गुप्त केंद्रों को बंद कर दिया है। फ्रांसीसी अधिकारियों का आरोप है कि ये केंद्र सांस्कृतिक, सामुदायिक और व्यावसायिक संगठनों की आड़ में काम कर रहे थे और चीन सरकार के आलोचकों तथा प्रवासी चीनी नागरिकों पर नजर रखने का काम करते थे। मामले में तीन लोगों की पहचान की गई है, जिन पर इस नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। इनमें से दो को फ्रांस से निष्कासित कर दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की खुफिया एजेंसियों ने जांच के बाद इन केंद्रों का पता लगाया। इनमें से अधिकांश पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में संचालित हो रहे थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि ये केंद्र चीन की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के अनौपचारिक विस्तार के रूप में काम कर रहे थे। जांच तब तेज हुई जब वर्ष 2024 में चीन के एक असंतुष्ट नागरिक लिंग हुआझान को जबरन चीन भेजने की कोशिश की गई। फ्रांसीसी पुलिस ने इस प्रयास को विफल कर दिया था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दे सकते हैं इस्तीफा, क्यों आई नौबत, कौन बनेगा अगला प्रधानमंत्री?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में जारी गहरे राजनीतिक गतिरोध के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की संभावना है। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में वरिष्ठ लेबर पार्टी के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। हालांकि, सरकारी सूत्रों का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी भी सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों पर केंद्रित है।

आपको बता दें कि पिछले कई महीनों से प्रधानमंत्री स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी के भीतर ही असंतोष पनप रहा था, जो शुक्रवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव में संसद की सीट जीत ली। इस जीत के बाद बर्नहैम के लिए स्टार्मर के खिलाफ औपचारिक रूप से नेतृत्व की चुनौती पेश करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री स्टार्मर इस समय अपने आधिकारिक ग्रामीण निवास चेकर्स में हैं और कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले अपनी पत्नी के साथ इस विषय पर गहन चर्चा कर रहे हैं। लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को उम्मीद है कि सोमवार तक उनके भविष्य को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, चंदा देने वाले दानदाताओं और ट्रेड यूनियन के नेताओं से बातचीत के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के लिए उनकी स्थिति अब व्यावहारिक नहीं रह गई है। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को स्टार्मर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वे अपनी लीडरशिप के खिलाफ किसी भी चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने लेबर पार्टी से गुटबाजी और आपसी कलह में न उलझने की अपील भी की थी। रिकॉर्ड गिरावट पर पहुंची कीर स्टार्मर की लोकप्रियता साल 2024 के आम चुनाव में वाम-झुकाव वाली लेबर पार्टी को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले कीर स्टार्मर बहुत कम समय में बेहद अलोकप्रिय हो चुके हैं। सरकार के कई घोटालों, विवादों और अपनी ही नीतियों से बार-बार पीछे हटने के कारण मतदाताओं में यह संदेश गया है कि स्टार्मर जनता के जीवन स्तर को सुधारने के अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

रॉयटर्स के आंकड़ों के मुताबिक, लेबर पार्टी के ही 100 से अधिक निर्वाचित सांसद सार्वजनिक रूप से स्टार्मर के इस्तीफे या उनके हटने का शेड्यूल तय करने की मांग कर चुके हैं। यदि स्टार्मर इस्तीफा देते हैं या उन्हें पद से हटाया जाता है तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में अपना सातवां प्रधानमंत्री मिलेगा। सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली और अवैध अप्रवासन जैसी समस्याओं से जूझ रहे ब्रिटिश इतिहास में यह पिछले दो सौ वर्षों में सबसे कम समय में सबसे अधिक प्रधानमंत्री बदलने का रिकॉर्ड होगा।

कतार में हैं एंडी बर्नहैम और वेस स्ट्रीटिंग : 56 वर्षीय एंडी बर्नहैम को लेबर पार्टी में स्टार्मर के सबसे मजबूत उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। उत्तरी इंग्लैंड में ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर के रूप में अपनी मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बर्नहैम ने शुक्रवार को मेकरफील्ड उपचुनाव में दक्षिणपंथी लोकलुभावन नेता नाइजेल फराज की ‘रिफॉर्म यूके’ पार्टी को करारी शिकस्त देकर संसद में वापसी की है।

बर्नहैम ने अभी तक सीधे स्टार्मर को चुनौती नहीं दी है, लेकिन अपने विजय भाषण में उन्होंने देश के लिए एक नए रास्ते का वादा किया है। उनके समर्थकों ने स्टार्मर से गरिमा के साथ खुद पद छोड़कर सत्ता सौंपने की अपील की है। ‘द टाइम्स’ अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि बर्नहैम देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे सबसे पहले वित्त मंत्री राहेल रीव्स को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि बर्नहैम के सलाहकारों का मानना है कि रीव्स की नीतियां देश में जरूरी बदलाव लाने के अनुकूल नहीं हैं।

ईरान ने फिर होर्मुज स्ट्रेट बंद किया, लेबनान में इजराइली हमलों के जवाब में उठाया कदम

दुबई, एजेंसी। लेबनान में इजराइल के लगातार हमलों से ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर ग्रहण लग सकता है. इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया है. ईरानी सेना ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की ‘बदनीयती’ और युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन के कारण उठाया गया है. ईरानी सेना ने सरकारी टेलीविजन पर दिए गए बयान में चेतावनी भी दी, ‘अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है.’ ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शनिवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और जहाजों को जलडमरूमध्य के पास न जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है. एक बयान में, छूत्रष्ट नेवी ने लेबनान में इजराइल के हमले और अमेरिका द्वारा युद्धविराम के अपने वादे तोड़ने को इस अहम जलमार्ग को बंद करने का कारण बताया. गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाजों और तेल टैकरों ने महत्वपूर्ण चोक पॉइंट होर्मुज से गुजरना शुरू कर दिया था. इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं का विरोध प्रदर्शनः ढाका में गूंजे ‘जय श्री राम’ के नारे, सड़कों पर उतरे लोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। राजधानी ढाका में शुक्रवार को हजारों हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान और एक प्रस्तावित विशाल राम मूर्ति परियोजना को रोके जाने के विरोध में प्रदर्शन किया।

ढाका में निकाला गया मशाल जुलूस : हिंदू संगठनों के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ढाका के शाहबाग क्षेत्र में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकाला और विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च करते हुए पहुंचे, जहां मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया गया।

क्या है विवाद का कारण : प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा क्षेत्र में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया था। उनका कहना है कि मामले में शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे समुदाय में नाराजगी बढ़ी है।

राम मूर्ति परियोजना क्यों चर्चा में है : उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में एक मंदिर परिसर में 81 फीट ऊंची भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण प्रस्तावित था। परियोजना से जुड़े लोगों का दावा है कि विरोध और कथित धमकियों के कारण निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस परियोजना में भगवान कृष्ण और भगवान शिव की बड़ी प्रतिमाएं भी प्रस्तावित बताई गई हैं। हिंदू संगठन ने सरकार से कथित अपमान मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और मूर्ति निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने की मांग की है। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक सौहार्द और विश्वास कायम रह सके।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज; क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला?

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से ‘ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल’ सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम ‘यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी’ (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

2023 में जेलेंस्की को मिला था सम्मान : यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों की एक इकाई का नाम यूपीए के नाम पर रखा था। यूपीए 1940 और 1950 के दशक में सक्रिय संगठन था, जिस पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

‘यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम’ : राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति ‘अमित्र व्यवहार’ बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए करेगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की ‘रणनीतिक गलती’ बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है।

शहीद बच्चों की कसम लेकर अमेरिका से बातचीत करने पहुंचे गालिबाफ; स्विट्ज़रलैंड में होगी पहली बैठक

ज्यूरिख, एजेंसी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाली तकनीकी वार्ता से पहले मिनाब स्कूल घटना के पीड़ितों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानी वॉशिंगटन के साथ होने वाली बातचीत के दौरान इस्लामी गणराज्य ईरान के कदमों का मार्गदर्शन करेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में शत्रुता समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की जा रही है।

’मिनाब के शहीद बच्चों की याद के साथ वार्ता में पहुंचे गालिबाफ’ : एक्स पर किए गए एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि वह और ईरानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता की तैयारी करते समय मिनाब के बच्चों और अन्य ईरानी शहीदों की स्मृतियों को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं मिनाब के निर्दोष बच्चों और प्रिय ईरान के सभी शहीदों को अपना हर कार्य और व्यवहार हर पल देखते हुए महसूस करता हूं। वे हमें देख रहे हैं और हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। ईश्वर न करे कि मैं कभी निर्दोष शहीदों और ईरान की जनता को शर्मिंदा करूं। उन्होंने पोस्ट में ‘मिनाब168’ हैशटैग का उपयोग किया और संदेश को मिनाब स्कूल के बच्चों की स्मृति को समर्पित किया। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब ईरान का प्रतिनिधिमंडल समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका के साथ पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड पहुंचा है। ’समझौते के बाद पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख पहुंचा प्रतिनिधिमंडल’ ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबाफ कर रहे हैं। इसमें विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिवालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपप्रमुख अली बाघेरी, केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती, उप तेल मंत्री और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के अध्यक्ष हमीद बोर्डे, उप विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी तथा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई समेत कई अधिकारी शामिल हैं।

अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लागू करने की समीक्षा पर रहेगा फोकस’ प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अमेरिका द्वारा कूटनीतिक समझ के तहत किए गए वादों को लागू करने की समीक्षा और अनुवर्ती कार्रवाई के उद्देश्य से की जा रही है। वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि प्रस्थान से पहले वार्ता का मुख्य फोकस पहले से तय प्रतिबद्धताओं के पालन को सुनिश्चित करना होगा। ढूत्रढूक के अनुसार, बघाई ने कहा,’हर समझौते और सहमति की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके क्रियान्वयन का समय आता है। वादाखिलाफी के पुराने अनुभवों से सतर्क है ईरान’ उन्होंने आगे कहा कि ईरान दूसरी तरफ से होने वाले अनुपालन पर कड़ी नजर रखेगा और अतीत में वादे पूरे न होने के अनुभवों को ध्यान में रखेगा। इस्माइल बघाई ने कहा, ‘दूसरे पक्ष द्वारा वादाखिलाफी के हमारे अनुभव को देखते हुए, हमें उनकी प्रतिबद्धताओं की पूर्ति को गंभीरता से आगे बढ़ाना होगा। ‘

’स्विट्जरलैंड ने वार्ता प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत’ प्रतिनिधिमंडल के स्विट्जरलैंड पहुंचने के बाद वहां के विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान, फिर चीन का सफर; भारत ने भी दिया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान अपनी विदेश नीति को चुनते हुए दिख रहे हैं। आम तौर पर बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद पर निर्वाचित होने वाला व्यक्ति पहली विदेश यात्रा के लिए भारत या चीन का दौरा करता है। लेकिन महीनों से इस पहेली का हल खोज रहे तारिक रहमान ने अपना रास्ता चुन लिया है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे। फिर वहाँ से वह चार दिवसीय चीन दौरे पर जाएंगे। यहां वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात करेंगे। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री तारिक रहमान रविवार को मलेशिया के लिए रवाना होंगे। यहाँ दो दिन तक उनके कार्यक्रम चलेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच में व्यापार, निवेश, एनर्जी सेमीकंडक्टर को लेकर चर्चा तेज होगी। दो दिवसीय दौरे को पूरा करने के बाद रहमान चार दिवसीय चीन यात्रा पर जाएंगे। यहां पर वह विश्व आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से बातचीत करेंगे।

तीस्ता नदी के प्रोजेक्ट पर हो सकता है फैसला : प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा को लेकर बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय की तरफ से भी जानकारी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के सचिव असद आलम सियाम के मुताबिक चीन और बांग्लादेश के बीच इस यात्रा के दौरान 17 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद हैं। इसमें तीस्ता नदी के मैनेजमेंट, ड्रेजिंग सिस्टम और तटबंध को लेकर भी चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह को भी विकसित करने पर बात होगी। बता दें, शेख हसीना के समय तीस्ता नदी के मैनेजमेंट के लिए भारत सरकार और तत्कालीन बांग्लादेश सरकार में एक सहमति बन गई थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह डील भी ठंडे बस्ते में चली गई। चूंकि तीस्ता नदी परियोजना भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक है। ऐसे में भारत की भी इस पर नजर रहती है। अब अगर चीन इसके करीब आता है, तो यह भारत के लिए परेशानी की बात होगी।

भारत ने दिया था न्योता, लेकिन बांग्लादेश की ‘न’ : शेख हसीना से मजबूत संबंधों और भारत में उनकी मौजूदगी से दोनों देशों के बीच में संबंध तनाव पूर्ण हैं। हालांकि, जब आम चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी जीतकर आई तो प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक पहल करते हुए सबसे पहले तारिक रहमान को बधाई दी। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी भेजा गया। यहां पर रहमान को भारत आने का न्योता भी दिया गया। लेकिन रहमान ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत के पड़ोसी देशों में आम तौर पर यह प्रवृत्ति पाई जाती है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई भी व्यक्ति पहले भारत या चीन की यात्रा करता है।

बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान, यूनिसॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्या समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिसॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा।

16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया। ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की निंदा : बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हुडा जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबो बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है।

क्यूबा पर हमले की चर्चा तेज, ट्रंप बोले- वहां की प्रॉपर्टी है शानदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपने बयानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई और बड़ी बहस छेड़ दी है। एक्सियोस को दिए एक खास इंटरव्यू में ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बहुत ही सख्त और कड़े सैन्य कदम उठाने के स्पष्ट संकेत पूरी दुनिया को दिए हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला की तरह ही कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया कि यह बिल्कुल संभव है। उनके इस ‘संभव है’ वाले एक छोटे से बयान ने ही विश्व भर के बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों और कूटनीतिक हलकों में भारी खलबली मचाने का काम कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस अहम इंटरव्यू में वेनेजुएला और क्यूबा के बीच के एक बहुत ही बड़े और मुख्य अंतर को भी सभी के सामने स्पष्ट किया है। ट्रंप के मुताबिक वेनेजुएला के पास तेल का विशाल भंडार मौजूद है, जबकि क्यूबा के पास प्राकृतिक तेल का कोई भी बड़ा भंडार बिल्कुल नहीं है। ट्रंप ने विशेष रूप से यह भी जोर देकर कहा कि क्यूबा के पास बहुत ही खूबसूरत समुद्री तट और बेहतरीन प्रॉपर्टी हैं जो उसे खास बनाते हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में उनके इस संपत्ति वाले विवादित बयान को लेकर काफी लंबी और तीखी बहस भी अब पूरी तरह से शुरू हो चुकी है।

क्यूबा अमेरिका के बिल्कुल पड़ोस में : ट्रंप ने आगे अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि क्यूबा भौगोलिक दृष्टि से अमेरिका के बहुत ही करीब स्थित है जबकि ईरान काफी दूर है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के नजदीक है और क्यूबा तो हमारे बिल्कुल पड़ोस में ही बसा हुआ एक बहुत अहम देश है। उनके इस नजदीकी वाले बयान को कई रक्षा विश्लेषक भविष्य में किसी संभावित बड़ी सैन्य कार्रवाई की ओर एक सीधा और बहुत स्पष्ट इशारा मान रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन और क्यूबा में बढ़ा तनाव : हाल के कुछ महीनों में टंप प्रशासन और हवाना सरकार के बीच कूटनीतिक तनाव लगातार अपने चरम पर पहुंचता हुआ साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। कई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने क्यूबा की गंभीर स्थिति को लेकर कुछ सख्त सैन्य विकल्पों पर भी बहुत गहराई से विचार किया है। हालांकि कुछ वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि फिलहाल क्यूबा पर किसी भी तत्काल सैन्य हमले की कोई ठोस योजना तैयार नहीं है।

मार्को रुबियो निभाएंगे अहम भूमिका : इस अहम इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी विशेष रूप से और बहुत ही प्रमुखता के साथ जिक्र किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रुबियो आने वाले समय में क्यूबा के इस पूरे संवेदनशील मामले में एक बहुत ही सक्रिय और अहम भूमिका निभाएंगे। ट्रंप ने यह बड़ा दावा भी किया है कि क्यूबा खुद आगे बढ़कर अमेरिका के साथ इस गंभीर मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करना चाहता है।

क्यूबा सरकार का अमेरिका पर आरोप : ट्रंप प्रशासन पहले से ही क्यूबा पर अपना सख्त रुख अपनाता रहा है और हाल ही में हवाना सरकार पर कई कड़े प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। दूसरी ओर क्यूबा की सरकार लगातार यह गंभीर आरोप लगाती रही है कि अमेरिका आर्थिक दबाव डालकर उनके आंतरिक मामलों में भारी दखलंदाजी करना चाहता है। ट्रंप ने हालांकि किसी बड़ी कार्रवाई की कोई समयसीमा नहीं बताई है लेकिन उनके बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि सारे विकल्प खुले हैं।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में दिल दहला देने वाली घटनाः ससुर की हुई मौत

दन्यां (अल्मोड़ा)। अल्मोड़ा जिले के दन्यां क्षेत्र स्थित सेली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है।गांव निवासी चंद्रशेखर पांडे की संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उपचार के लिए हल्द्वानी ले जाते समय मौत हो गई। मृतक की बेटी और दामाद पर मारपीट का आरोप है। घटना के बाद से दोनों फरार बताए जा रहे हैं, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।। चंद्रशेखर पांडे अपने घर में गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। शोरगुल सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें उपचार के लिए पहले अल्मोड़ा पहुंचाया।वहां से हालत नाजुक होने पर हल्द्वानी रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार उनके सिर पर गंभीर चोटें थीं और शरीर के कई हिस्सों में फ्रैक्चर के निशान मिले। ग्रामीणों का कहना है कि घटना से कुछ घंटे पहले मृतक की बेटी जानकी और उसका पति गांव पहुंचे थे। जानकी का विवाह करीब दो माह पूर्व हरियाणा निवासी युवक से हुआ था। घटना के बाद दोनों घर से गायब मिले, जिससे संदेह और गहरा गया है।

अल्मोड़ा के द्वाराहाट बहुद्देशीय शिविर में कांग्रेस—भाजपा का सियासी घमासान

द्वाराहाट (अल्मोड़ा)। केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत लगे बहुद्देशीय शिविर का मंच कांग्रेस व भाजपा का सियासी अखाड़ा बन गया। घंटों खूब हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक मदन सिंह बिष्ट ने केंद्र व राज्य सरकार पर योजनाओं में धन की कटौती और दुरुपयोग का आरोप लगाया।

पलायन निवारण आयोग सदस्य अनिल शाही को सरकार की खिंचाई चुभी तो विधायक मदन पर कमीशनबाजी का आरोप लगा दिया पलटवार करते हुए मदन सिंह ने शाही को दलाल बता डाला। वहीं, ब्लाक प्रमुख डा. आरती किरौला ने मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य कार्यकर्ताओं के बैठने पर सवाल उठाए। कहा कि सरकारी शिविर को भाजपाई कार्यक्रम कैसे बनाया जा सकता है। हंगामा बढ़ने पर सीडीओ रामजी शरण शर्मा सत्तापक्ष व विपक्ष को शांत कराने में जुटे रहे।

शारदा नदी में नहाने गए 2 युवक तेज बहाव में डूबे

टनकपुर (चंपावत)। शारदा नदी किनारे चार दोस्तों ने पहले पार्टी की और फिर नहाने लगे। इस दौरान तेज बहाव की चपेट में आ गए। जिसमें दो युवकों ने किसी तरह खुद को बचाया, लेकिन उनके दो साथी डूब गए। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने खोजबीन शुरू कि, लेकिन देर शाम तक उनका पता नहीं चल सका। सर्च अभियान देर शाम तक जारी रहा। टनकपुर के इमली पड़ाव, वार्ड नंबर–7 निवासी सलीम पुत्र हबीब खान, मोहिन खान पुत्र छोटे लाल, वार्ड–3 वर्मा लाइन निवासी 20 वर्षीय तरुण सक्सेना पुत्र बाबूराम सक्सेना और 18 वर्षीय नैतिक सक्सेना पुत्र वीर बहादुर सक्सेना सोमवार की दोपहर में शारदा नदी ठुलीगाड़ क्षेत्र में ब्रह्मकुंड के पास पार्टी करने गए थे। पुलिस के अनुसार चारों दोस्तों नदी किनारे खाना बनाया और खाया। इसके बाद शारदा नदी में नहाने के लिए चले गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान चारों तेज बहाव में चले गए और बहने लगे। काफी मशक्कत के बाद सलीम और मोईन किसी तरह किनारे आ गए, जबकि नैतिक और तरूण डूब गए। सूचना पर बूम चौकी प्रभारी संदीप पिलख्वाल सहित एसडीआरएफ की टीम पहुंची। काफी देर तक खोजबीन अभियान चलाया, लेकिन अब तक डूबे युवक बरामद नहीं हुए है। अभियान जारी है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

उत्तराखंड परिवहन निगम के ट्रैवलर और ट्रक में टक्कर, 2 यात्री घायल

देवप्रयाग (टिहरी)। ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीनधारा में उत्तराखंड परिवहन निगम के एक टेंपो ट्रैवलर और ट्रक के बीच दोपहर करीब 12 बजे आमने–सामने की टक्कर हो गई। जिसमें ट्रेंपो ट्रेवलर चालक और एक चारधाम यात्री हुए हैं। देवप्रयाग कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि देवप्रयाग टेंपो ट्रैवलर बदरीनाथ से यात्रियों को लेकर ऋषिकेश की ओर जा रहा था, जबकि ट्रक बदरीनाथ की तरफ बढ़ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि दुर्घटना के बाद राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया।

कोतवाली देवप्रयाग पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंच कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। घायलों की पहचान टेंपो ट्रैवलर चालक हरदीप सिंह (45) पुत्र मुख्तार सिंह निवासी ग्राम अहमदपुर ग्रांट, थाना बहादराबाद, हरिद्वार के रूप में हुई है, जिन्हें सामान्य चोटें आई हैं। वहीं, वाहन में सवार यात्री धीरज कुमार (35) पुत्र वीरेंद्र कुमार निवासी ग्राम चौपरिया, थाना नैमिषधाम, सीतापुर, उत्तर प्रदेश के सिर में गंभीर चोट है। हादसे के बाद पुलिस ने क्रेन मंगवाकर बीच सड़क से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर जाम खुलवाया। टेंपा ट्रेवलर परिवहन निगम के ऋषिकेश डिपो का है।

ढोल-दमाऊं की थाप पर चाई ग्रामोत्सव का हुआ शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड जयहरीखाल के ग्राम चाई में आयोजित तीन दिवसीय 'चाई ग्रामोत्सव' का शुभारंभ इस वर्ष भी पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ हो गया है। पहले दिन ढोल-दमाऊं और मशकबीन की थाप ने पूरे गांव को लोकसंगीत की लय में सराबोर कर दिया। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने भव्य कलश यात्रा निकालकर आयोजन का शुभारंभ किया, जिससे पूरा वातावरण आस्था और संस्कृति से सराबोर हो उठा।

कलश यात्रा के उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। पारंपरिक नृत्य और गीतों ने पहाड़ी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। शाम के समय आयोजित भजन संध्या में धर्मेंद्र रावत ग्रुप की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और लोग देर रात तक झूमने को मजबूर हो गए। इसके उपरांत हुई गोष्ठी का शुभारंभ नगर पंचायत सतपुली के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि ग्राम चाई द्वारा ग्रामोत्सव के माध्यम से पहाड़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस पहल से

आयोजित महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि

चाई ग्रामोत्सव के पहले दिन कलश यात्रा निकालती महिलाएं

अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा मिला है और विकासखंड जयहरीखाल की एक अलग पहचान बनी है। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी जगदंबा डंगवाल ने कहा कि पलायन की समस्या से जूझते पहाड़ी क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामोत्सव पहाड़ की सांस्कृतिक अस्मिता को जीवंत रखने का एक सशक्त माध्यम है। महासचिव संगीत बुडाकोटी ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोजन समिति के अनुसार मंगलवार को स्कूली बच्चों की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही, शाम को संस्कृति विभाग की ओर से विशेष भजन संध्या आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगमोहन बुडाकोटी ने की, जबकि संचालन डॉ. पद्मेश बुडाकोटी द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक बुडाकोटी, बीडीसी सदस्य मीनाक्षी बुडाकोटी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे विजेता और गढ़वाल हीरोज बना उपविजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कंडोलिया स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर रेलवे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गढ़वाल हीरोज को हराकर राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता। उत्तर रेलवे ने दिल्ली चैंपियन गढ़वाल हीरोज को 2-1 से हराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गढ़वाल राइफल्स के ब्रिगेडियर विनोद नेगी और नगर पालिका अध्यक्ष हेमा नेगी ने विजेता टीम को 1 लाख 25 हजार रुपये का चेक और ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम गढ़वाल हीरोज को 51 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

भारत भर की विभिन्न टीमों के बीच खेला गया यह पांच दिवसीय टूर्नामेंट बेहद रोचक रहा और फुटबॉल प्रशंसकों ने इसका भरपूर आनंद उठाया। उत्तर रेलवे और गढ़वाल हीरोज के बीच खेले गए फाइनल मैच का उद्घाटन ब्रिगेडियर वीएसएम विनोद नेगी ने किया। गढ़वाल हीरोज की चमकीली पीली टी-शर्ट और लोसा पहने विनोद नेगी ने मैच का भरपूर आनंद लिया और अंत में विजेता और उपविजेता दोनों टीमों के प्रत्येक खिलाड़ी से मिलकर उन्हें चेक और ट्रॉफी प्रदान करते हुए बधाई दी। खेल शुरू होने के बीसवें मिनट में ही ऊर्जावान गढ़वाल हीरोज ने उत्तर रेलवे के खिलाफ पहला गोल दाग दिया। हालांकि, पहले हाफ के समाप्त होने से पहले ही उत्तर रेलवे ने 47वें मिनट में एक गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ के बाद दोनों टीमों ने ऊर्जा, उत्साह और जुझारू भावना के साथ शानदार खेल दिखाया, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। गढ़वाल हीरोज का दुर्भाग्य रहा और अतिरिक्त समय में नॉर्दर्न रेलवे ने एक गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे उन्होंने दिल्ली चैंपियन गढ़वाल हीरोज के खिलाफ फाइनल जीत लिया और कंदोलिया स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय चैंपियन बन गए, साथ ही उन्हें एक ट्रॉफी और 1 लाख 25 हजार रुपये का चेक दिया गया।

ब्रिटेन में पकड़े गए नैनीताल के मर्चेंट नेवी कैप्टन अजय पंत

रामनगर (नैनीताल)। एक तरफ मौत के मुंह से जंग जीतकर घर लौटे बुढ़े पिता की कमजोर आंखें हैं, तो दूसरी तरफ दो मासूम बच्चियां जो हर बार पापा के बारे में पूछ रही हैं।

रूस से भारत तेल लेकर आ रहे उत्तराखंड के लाल और मर्चेंट नेवी के कप्तान अजय पंत को ब्रिटेन में पकड़े जाने के बाद से रामनगर के चिल्किया गांव में परिवार के लोग सदमे में है।

हर वह प्रयास कर रहे जिससे उनका बेटा जल्द वापस आ जाए। अजय ने 15 दिन पूर्व ही अपने बच्चों से बात की थी। अजय ने बताया था कि उनका शिप गुजरात आने वाला है।

पेयजल निगम से सेवानिवृत्त अजय के पिता वीसी पंत अभी डेढ़ माह पहले ही दिल्ली के गंगाराम अस्पताल से मौत को मात देकर लौटे हैं। उन्हें नई जिंदगी तो मिली, लेकिन आज वही जिंदगी बेटे के गम से परेशान है।

कांपती आवाज में पिता कहते हैं कि अजय ही इस घर का मुख्य सहारा है। छोटा बेटा अभिषेक एयरलाइंस में प्राइवेट जाब में है। अजय ही परिवार का मुख्य कमाने वाला था। मेरा स्वास्थ्य तो ठीक नहीं रहता, हर पल बस यही दुआ कर रहा हूं कि बेटा जल्द वापस आ जाए और उसे गले लगा सकूं। पिता ने बताया कि अजय छुट्टी बिताकर इसी वर्ष 23 अप्रैल को घर से डयूटी पर गया था।

महिला उद्यमी को बकाया धनराशि ब्याज सहित चुकाने के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सिविल जज (सी.डि) पौड़ी अमित भट्ट की अदालत ने लोन वसूली के मामले में बैंक के हक में फैसला सुनाते हुए एक महिला उद्यमी को बैंक की बकाया 3 लाख 12 हजार 787.59 रुपये की धनराशि एक महीने में चुकाने के आदेश दिए हैं। साथ ही 16 सितंबर 2025 से पूरी राशि का भुगतान होने तक 11.40 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के भी आदेश दिये है। मामले की सुनवाई के दौरान संचालक अदालत में पेश नहीं हुईं और न ही अपनी ओर से कोई जवाब दाखिल करवाया।

मामले के अनुसार नैनीताल बैंक की श्रीनगर शाखा ने मैसर्स रेशमा शम्शी इलेक्ट्रिकल की संचालक के खिलाफ वसूली का मुकदमा दायर किया था। बैंक का कहना था कि महिला कारोबारी ने फरवरी 2023 में अपने कारोबार के लिए पांच लाख रुपए का लोन लिया था। लोन लेते समय उसने बैंक के सभी जरूरी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। लोन लेने के कुछ समय बाद संचालक ने किश्तें जमा करना बंद कर दिया। कई बार नोटिस देने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं की गई। इसके चलते सितंबर 2025 में खाता एनपीए घोषित कर दिया गया, उस समय महिला पर बैंक के 3,12,787.59 रुपये का बकाया था। मामले की सुनवाई के दौरान संचालक अदालत में पेश नहीं हुईं और न ही अपनी ओर से कोई जवाब दाखिल करवाया। अदालत ने बैंक की ओर से पेश किए गए दस्तावेज और साक्ष्यों के आधार पर एकपक्षीय सुनवाई की। अदालत ने माना कि बैंक ने अपना दावा साबित कर दिया है। जिस पर अदालत ने संचालक को उक्त बकाया धनराशि चुकाने का आदेश दिया।

मां पूर्णागिरि मंदिर में दर्शन का समय बदला

चंपावत। उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ मां पूर्णागिरि के दर्शन कल से रात के समय नहीं हो सकेंगे। पूर्णागिरि मंदिर समिति ने रात आठ बजे से सुबह पांच बजे तक मंदिर के कपाट बंद रखन का निर्णय लिया है। श्रद्धालु अब सुबह पांच बजे से रात आठ बजे तक ही दर्शन कर पाएंगे।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी ने बताया कि यह व्यवस्था शारदीय नवरात्र शुरू होने से एक दिन पूर्व यानी नौ अक्टूबर तक लागू रहेगी। इस वर्ष 27 फरवरी से 15 जून तक चले 109 दिन के सरकारी मेले में चौबीसों घंटे दर्शन की सुविधा थी।

अस्पताल में उल्टी, दस्त व बुखार के बढ़े मरीज, ओपीडी 350 पार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : लगातार बढ़ती गर्मी के चलते इन दिनों जिला अस्पताल में विभिन्न मौसमी बीमारियों से मरीजों की संख्या बढ़ गई है। चिकित्सकों के अनुसार गर्मी बढ़ने और दूषित पानी पीने के चलते लोग बीमार पड़ रहे हैं। चिकित्सकों ने स्वच्छ व उबला पानी पीने, साफ सफाई रखने, फलाहार करने और बाजार के तले व फास्ट फूड से बचने की सलाह दी है। सोमवार को अस्पताल खुलते ही बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी में पर्चा बनाने के लिए लाइन में लगे रहे। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक ओपीडी 350 से अधिक रही। वहीं, मौसम का प्रतिकूल प्रभाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. निशा उपाध्याय ने बताया कि उनकी ओपीडी में करीब 70 मरीज रहे जिनमें अधिकांश बच्चे बुखार, जुकाम, उल्टी व दस्त से पीड़ित थे। वहीं, महीने में दो से तीन बच्चों में टायफाइड व पीलिया के साथ ही 10 से 12 बच्चों में चिकनपॉक्स की शिकायत रही। जो कि दूषित पानी पीने और स्वच्छता के अभाव के कारण होती हैं। तीमारदार सुजाता, किरन आदि ने बताया कि बच्चों को आजकल पेटदर्द और बुखार की शिकायत है। जबकि फिजिशियन की ओपीडी में मरीजों की संख्या करीब

130 रही। फिजिशियन डॉ. आनंद खंकरियाल ने बताया कि इन दिनों हर आयु वर्ग के लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अधिकांश मामले बुखार, डायरिया, पेट दर्द, टायफाइड आदि से जुड़े हुए हैं। बताया कि इन बीमारियों की चपेट में आने से अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। वहीं अनूप सिंह व राम अवतार सिंह ने बताया कि बीते दो तीन दिनों से लोग बुखार और सिरदर्द से पीड़ित होने के चलते अस्पताल पहुंच रहे हैं।

200 मुर्गियों से शुरू हुआ सफर, सुमन देवी को दिला रहा 18 हजार तक की मासिक आय

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जनपद के विकासखंड दशोली के ग्राम सलना रैंतोली निवासी श्रीमती सुमन देवी ने पोल्ट्री पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक मिसाल पेश की है।

जय माँ भगवती स्वयं सहायता समूह, एकता ग्राम संगठन एवं बिरही गंगा सीएलएफ से जुड़ी श्रीमती सुमन देवी वर्तमान में मदर यूनिट (पोल्ट्री पालन) व्यक्तिगत उद्यम का सफल संचालन कर रही हैं। उन्होंने कुल 2.50 लाख की लागत से इस उद्यम की स्थापना की, जिसमें रीप परियोजना के माध्यम से 75 हजार की सहायता, 1.25 लाख का बैंक ऋण तथा 50 हजार का स्वयं का अंशदान शामिल है। परियोजना से प्राप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग ने उनके

व्यवसाय को मजबूती प्रदान की है। वर्तमान में उनकी पोल्ट्री इकाई में लगभग 200 मुर्गियां हैं, जिनसे प्रतिदिन अंडा उत्पादन किया जा रहा है। अंडों की बिक्री से उन्हें प्रतिदिन लगभग 600 की आय प्राप्त हो रही है, जबकि इस व्यवसाय से उनकी मासिक आय 15 हजार से 18 हजार तक पहुंच गई है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है तथा जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। श्रीमती सुमन देवी बताती हैं कि रीप परियोजना से मिले सहयोग ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया।

नियमित आय से परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति सुचारू रूप से हो रही है और अब वे अपने व्यवसाय का विस्तार करने की दिशा में भी कार्य कर रही हैं। उनका कहना है कि यदि महिलाओं को उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे न केवल अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

खाई में गिरी कार, ग्राम प्रधान और उनका बेटा गंभीर घायल

चंपावत। बाराकोट विकासखंड के गल्लागांव–देवलीमाफी मोटर मार्ग पर बसौटी के समीप एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर लगभग 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

लोहाघाट से लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, ढटीगांव ग्राम सभा के ग्राम प्रधान नवीन कुमार (पुत्र महेश राम) अपनी अल्टो कार (संख्या वङ 03–2484) से अपने बेटे सुनील कुमार के साथ लोहाघाट से वापस अपने गांव लौट रहे थे।

जनता मिलन में 24 शिकायतें दर्ज, अधिकांश का मौके पर हुआ समाधान

सीएम हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता मिलन में लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पर्यटन, वन विभाग, पेयजल, सड़क संपर्क, पुल निर्माण एवं

अन्य जन सुविधाओं से संबंधित कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

दशोली निवासी सुलोचना देवी ने मृतक आश्रित कोटे में स्वयं सेवक पद पर नियुक्ति संबंधी प्रकरण उठाया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

जोशीमठ निवासी कुंवर सिंह द्वारा भवन निर्माण मानचित्र स्वीकृति की अवधि बढ़ाने संबंधी शिकायत पर मुख्य विकास अधिकारी ने प्राधिकरण के अधिकारियों को नियमानुसार समयावधि विस्तार पर कार्रवाई करने को कहा। देवर निवासी कुशल सिंह पंवार द्वारा वृक्ष पातन से संबंधित शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर वन विभाग को जांच प्रारंभ कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए वृक्ष पातन के निर्देश दिए गए। बांसवाड़ा निवासी अषाढ़ी देवी की सोलर लाइट संबंधी शिकायत पर उरेडा विभाग को आवश्यक कार्यवाही करते हुए सोलर लाइट स्थापित करने को कहा। बंशी लाल पुत्र स्व. छवि लाल की पेंशन संबंधी शिकायत पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को स्पर्श पोर्टल पर सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर एक सप्ताह के भीतर पेंशन संचालित करने को कहा। मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, यूपीसीएल, जल संस्थान, जल निगम, श्रम, आबकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

भारत की हार से निराश हैं कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं-

दुर्भाग्य से हम कुछ मौके नहीं भुना सके

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मैच में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार के बाद फील्डिंग में चूके मौकों पर अफसोस जताया है। हालांकि, अभी भारत के पास लीग स्टेज में दो मैच शेष हैं। ऐसे में कप्तान ने सकारात्मक बने रहने पर जोर दिया है।

भारत की फिल्डिंग नहीं रही अच्छी

158/7 के स्कोर का बचाव करते हुए भारत की फील्डिंग अच्छी नहीं रही। ताजमिन ब्रिट्ज का कैच 18 रन पर छूटा, जबकि मारिजाने को सब्स्टिट्यूट फील्डर राधा यादव ने 25 और 65 रन पर दो बार जीवनदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारत की फील्ड प्लेसमेंट का बखूबी फायदा उठाया और आसानी से बाउंड्री लगाईं। मारिजाने ने 81 रन पर नाबाद रहते हुए साउथ अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

मौके नहीं भुना सके

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें बीच में कुछ मौके मिले, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें भुना नहीं सके। हालांकि, मुझे अभी भी लगता है कि हमारे दो मैच शेष हैं, और यही समय है सकारात्मक रहने और उन मुकाबलों के बारे में सोचने का। हम हमेशा बात करते हैं कि इस स्तर पर मौकों को भुनाना कितना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से किस्मत हमारे साथ नहीं थी।'

भारत के दो मैच बाकी

भारतीय टीम 25 जून को बांग्लादेश को चुनौती देगी, जिसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अभी भी हमारे दो मैच शेष हैं। अब उन मुकाबलों के बारे में सोचने का समय है। अगले मैच के लिए हमारे पास अभी भी दो-तीन दिन हैं। हम बैठकर सोचेंगे कि क्या करना है और उसी हिसाब से अपनी प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।'

श्री चरणी-शेफाली की तारीफ

इस मैच में श्री चरणी ने चार ओवरों में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने चार ओवरों में 22 रन देकर एक विकेट निकाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि श्री चरणी और शेफाली ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। वे चुनौतियां पैदा कर रही थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बाकी गेंदबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।'

मारिजाने की मैच जिताऊ पारी

हरमनप्रीत ने मारिजाने की मैच जिताऊ नाबाद 81 रन की पारी की अहमियत को मानते हुए कहा, 'वह शानदार खेलीं। उन्होंने हमसे मैच छीन लिया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दो अहम मौके भी दिए, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मुझे लगता है कि इस स्तर पर जब आप ऐसे मौके गंवाते हैं, तो कोई भी आपको आसानी से कुछ नहीं देता।

स्पिनर्स को लेकर बोलीं कप्तान

स्पिनर्स के ज्यादा इस्तेमाल पर हरमनप्रीत ने कहा, 'जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो गेंद थोड़ी टर्न हो रही थी। अगर आप अपने फिंगर स्पिनर्स का सही इस्तेमाल करते हैं, तो मुझे लगता है कि शेफाली और श्री चरणी ने बहुत अच्छा काम किया। दूसरे स्पिनर्स को भी सोचना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, खासकर ऐसी पिचों पर।'

इंग्लैंड को डबल झटका

न्यूजीलैंड से हार के बाद क्यों चला आईसीसी का चाबुक

ओवल (एजेंसी)। ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 253 रन की करारी हार के बाद इंग्लैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काट दिए हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भी लगाया गया है। आईसीसी के इस फैसले ने इंग्लैंड की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अंक कटने के बाद टीम के कुल अंक घटकर 38 रह गए हैं, जबकि उसका अंक प्रतिशत 34.72 से गिरकर 26.38 हो गया है। इसके बावजूद इंग्लैंड फिलहाल सातवें स्थान पर बना हुआ है।

क्यों मिली सजा?

आईसीसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, समय भत्ते को ध्यान में रखने के बाद इंग्लैंड निर्धारित लक्ष्य से 12 ओवर पीछे पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े मामलों में खिलाड़ियों पर प्रति ओवर पांच प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। चूंकि इंग्लैंड 12 ओवर पीछे था, इसलिए अधिकतम सीमा के अनुसार खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नियम 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। इसी आधार पर इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक घटा दिए गए।

हेनरी ने इंग्लैंड को किया धराशायी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट जीता था, लेकिन दूसरे टेस्ट में कीवी टीम ने जोरदार वापसी की। 463 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम अंतिम दिन 182/5 से आगे खेलने उतरी थी, लेकिन तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। हेनरी ने पारी में 6/29 विकेट लिए और मैच में कुल 11/109 विकेट अपने नाम किए। यह इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन है। साथ ही 35 टेस्ट के करियर में यह हेनरी का पहला 10 विकेट वाला मैच भी रहा।

जो रूट ने स्वीकार की गलती

मैच में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे जो रूट ने आरोप स्वीकार कर लिया। उन्होंने प्रस्तावित सजा को भी मान लिया, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह सजा सुनाई। ऑन-फील्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर रॉड टकर तथा चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर यह आरोप लगाया था।न्यूजीलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक भी रही। इंग्लैंड दौरे के 95 साल के इतिहास में यह उसकी सिर्फ सातवीं टेस्ट जीत है। वहीं ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड की यह दूसरी जीत रही। इससे पहले उसने 1999 में यहां जीत दर्ज की थी।सीरीज का तीसरा और निर्णायक टेस्ट गुरुवार से नॉटिंघम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स टीम में लौट आए हैं और वह फिर कप्तानी संभालेंगे। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है।

लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी संभालेंगी जिम्मेदारी

फुलरटन, एजेंसी। अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका

मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे।भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है।

रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

बेल्जियम का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

ईरान ने भी बनाए मौके

रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरी ईरानी टीम ने जवाबी हमलों में बेल्जियम को परेशान किया। पहले हाफ में मेहदी तारेमी ने शानदार मूव पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया था, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल रद्द कर दिया गया। कप्तान तारेमी और हुसैन कनानी ने भी बेल्जियम की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

रेड कार्ड ने बदला मैच का रुख

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड

कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

अतिरिक्त खिलाड़ी का फायदा नहीं उठा सका ईरान

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया।

ग्रुप-जी में बढ़ा रोमांच

दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

हम रोनाल्डो को नहीं, सही खिलाड़ी को पास देते हैं

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी के बाद टीम और खासकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। कई फुटबॉल विशेषज्ञों और प्रशंसकों का मानना है कि 41 वर्षीय रोनाल्डो की सीमित गतिशीलता पुर्तगाल के आक्रमण को प्रभावित कर रही है। हालांकि, टीम के युवा विंगर फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए रोनाल्डो का खुलकर बचाव किया है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी केवल रोनाल्डो को गेंद देने के दबाव में नहीं खेलते और मैदान पर हमेशा उसी खिलाड़ी को पास देते हैं जो बेहतर स्थिति में होता है। उज्बेकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले कॉन्सेसाओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें ऐसा महसूस नहीं होता कि हमें हर हाल में रोनाल्डो को गेंद देनी है। मैं गेंद उसी खिलाड़ी को पास करता हूं जो मुझे सबसे बेहतर स्थिति में और बिना मार्किंग के नजर आता है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब पुर्तगाल के खेल को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं और रोनाल्डो की भूमिका पर लगातार बहस हो रही है। कॉन्सेसाओ ने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रेसिंग रूम में रोनाल्डो को किसी अलग श्रेणी में नहीं देखा जाता। उनके अनुसार टीम की सफलता सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'क्रिस्टियानो टीम के एक सदस्य हैं।

बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी ! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस'

दांबुला, एजेंसी। क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

वैभव ने फाइनल में दिखाया दम

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

फाइनल में बल्ले से दिया जवाब

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर के क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

बड़े मैचों में अलग रूप दिखाते हैं

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और ज्यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया।

यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

आईपीएल में भी छोड़ी अमिट छाप

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

प्रेशर इज अ प्रिविलेज' को जी रहे हैं

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, 'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं। हर बार जब वह बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता।शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।